शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 265 | गुवाहाटी | शनिवार, 2 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

तीन जिलों में भारी हिंसा, पुलिस ने शुरू की जांच, छावनी में बदला राज्य — पेज 2
मई दिवस पर मनाया गया श्रमिक दिवस — पेज 3
राजस्थान के युवा मेहनत, नवाचार और बहुभाषी कौशल से वैश्विक अवसरों के... — पेज 5
फीफा विश्व कप 2026 के बाद संन्यास लेंगे मेक्सिको के दिग्गज गोलकीपर... — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

चलिए अपना आज कुर्बान करें ताकि आगे आने वाली पीढ़ी को बेहतर कल मिल सके।
– अब्दुल कलाम

थाने में पेश होना होगा, बिना अनुमति देश नहीं छोड़ेंगे...

पवन खेड़ा को शर्तों के साथ मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को निर्देश दिया कि, वे जांच में सहयोग करें और बुलाए जाने पर थाने में पेश होंगे, साथ ही सबूतों को प्रभावित करने या उनके साथ छेड़छाड़ करने से बचेंगे। मालूम हो कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी, रिनिकी भुइयां शर्मा के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप लगे है। कोर्ट ने खेड़ा को यह भी बताया कि, वे कोर्ट की अनुमति के बिना देश छोड़कर नहीं जा सकते। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को यह अनुमति भी दी कि, अगर जरूरत हो तो वह इन शर्तों में और शर्तें जोड़ सकते है, साथ ही निर्देश दिया कि जमानत की सुनवाई में पेश किए गए दस्तावेजों या तथ्यों पर ध्यान न दें। बता दें कि, गुरुवार को दोनों पक्षों की ओर से तीखी टिप्पणियों से भरी सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने इसे एक *अभूतपूर्व मामला* बताया था और मुख्यमंत्री के लिए व्यंग्यात्मक रूप से *अभियोजक के बॉस के बॉस के बॉस* जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। यह संदर्भ शर्मा की उन टिप्पणियों के लिए था, जिन्हें सिंघवी ने कोर्ट में दोहराने से इनकार कर दिया था; उन्होंने उन्हें *अप्रकाशनीय* बताया और कोर्ट को केवल इतना बताया था कि उनके मुवक्किल को आजीवन कारावास की धमकी दी गई थी। सिंघवी ने कहा था कि अगर डॉ. अंबेडकर यह कल्पना करते कि कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किसी काउबॉय या रैम्बो की तरह बोलेगा, -शेष पृष्ठ दो पर

फर्जी दस्तावेजों से महिला का चरित्र हनन बर्दाश्त नहीं

अभिषेक मनु सिंघवी पर बरसे असम सीएम

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बार मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सिंघवी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने लिखा कि उन्हें किसी से भी लोकतंत्र, सार्वजनिक चर्चा या शिष्टाचार पर सीख लेने की जरूरत नहीं है। पोस्ट में सिंघवी पर सीधा हमला बोलते हुए उन्होंने आगे लिखा कि यहां असली मुद्दा एक महिला से जुड़ा है, जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है; लेकिन राष्ट्रीय टेलीविजन पर दूसरे देशों के जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके उसके चरित्र पर कीचड़ उछाला गया है। उन्होंने आगे लिखा कि मुझे पूरा भरोसा है कि अदालतें देर-सवेर इस बात का संज्ञान जरूर लेंगी, और चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल करके एक महिला के चरित्र को बदनाम करने के इस ढिठाई भरे काम के लिए दोषी को सजा जरूर मिलेगी। और हां, डॉ. सिंघवी, ऐसे मंच पर बोलना तो बहुत आसान है जहां मैं जवाब देने के लिए मौजूद ही न होऊं। इसे बहस नहीं कहते - यह तो बस एक निष्पक्ष संवाद से बचने का तरीका है, जिसकी वकालत आप खुद ही कर रहे थे। और मैं यह बात बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं कि यह तो अभी बस शुरुआत है, अंत नहीं। वरिष्ठ -शेष पृष्ठ दो पर

बीटीसी की सभी सीटें जीतकर असम में सरकार बनाएगी एनडीए : बीपीएफ

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 1 मई को विश्वास व्यक्त किया कि एनडीए बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) क्षेत्र की सभी 15 सीटों पर जीत हासिल करेगा और असम में अगली सरकार बनाएगा। कोकराझाड़ के बोड़ोफा सांस्कृतिक परिसर में आयोजित केंद्रीय कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद बीपीएफ अध्यक्ष और बीटीसी प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी ने यह बात कही। पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए मोहिलारी ने कहा कि एनडीए न केवल बीटीसी क्षेत्र में शानदार जीत हासिल करेगा बल्कि पूरे राज्य में 80 से अधिक सीटें भी जीतेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि गठबंधन को -शेष पृष्ठ दो पर

एग्जिट पोल : एजेपी अध्यक्ष ने अनुमानों को *गलत* और *पक्षपातपूर्ण* बताया

गुवाहाटी। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने एग्जिट पोल के अनुमानों की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की बड़ी जीत की भविष्यवाणियों को खारिज कर दिया और उन्हें *गलत* और *राजनीतिक रूप से प्रभावित* बताया। पार्टी ने कहा कि चुनाव का वास्तविक परिणाम मीडिया में दिखाए गए पूर्वानुमानों से बहुत अलग होगा। 2026 असम विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए एजेपी अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने कहा कि एग्जिट पोल -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

तिरप से एनएससीएन (के) के तीन कैडर गिरफ्तार

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले से असम राइफल्स और अरुणाचल पुलिस ने संयुक्त अभियान में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल आफ नगालैंड- खापलांग (एनएससीएन-के) के निक्की सुमी गुट के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तिरप जिले के खोंसा स्थित वांचो कॉलोनी के इलाके में शुक्रवार -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू में गिरा निर्माणाधीन पुल का हिस्सा, मलबे में दबे कई मजदूर

जम्मू। जम्मू के बंतलाब इलाके में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिरने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मलबे के नीचे कई मजदूरों के दबे होने की आशंका है। इस बीच एक व्यक्ति को बचा लिया गया है। बचाव अभियान जारी है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत बचाव दल मौके पर पहुंच गए -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत के बयान पर भड़का बांग्लादेश, भारतीय उच्चायुक्त को तलब कर जताई आपत्ति

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के एक बयान पर बांग्लादेश ने गहरी आपत्ति जताई है और इस तरह की बयानबाजी से बचने की सलाह दी। सीएम शर्मा के बयान को लेकर बांग्लादेश ने कल गुरुवार को बांग्लादेश में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को तलब किया और असम के मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर कड़ा विरोध जताया। साथ ही, यह भी कहा कि उन टिप्पणियों से बचा जाना चाहिए जिनसे दोनों देशों के आपसी संबंधों को ठेस पहुंच सकता हो। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) में हुई एक बैठक के दौरान, महानिदेशक (दक्षिण एशिया) इशरत जहां ने कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त को ढाका की नाराजगी के बारे में बताया। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त पवन से इन टिप्पणियों को भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों के लिए अपमानजनक बताया और भारत के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में किसी तरह का -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल चुनाव : 15 मतदान केंद्रों पर होगी दोबारा वोटिंग

नई दिल्ली। बंगाल में दो चरणों में सभी 294 विधानसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो चुके हैं। 4 मई को वोटों की गिनती होगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने 2 मई को बंगाल के 15 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान का आदेश दिया है। अनियमितताओं की शिकायतों के बाद निर्वाचन आयोग ने बंगाल के डायमंड हार्बर और मगराहट पश्चिम निर्वाचन क्षेत्रों के 15 बूथों पर पुनर्मतदान की घोषणा की है। बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में धांधली और अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग 15 जगहों पर दोबारा वोटिंग कराने का फैसला लिया है। जिन जगहों पर वोटिंग होनी है, वे सभी बूथ दक्षिण 24 परगना जिले में आते हैं। दक्षिण 24 परगना जिले के मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 बूथों पर और डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र के 4 बूथों पर कल यानी 2 मई को दोबारा वोट डाले जाएंगे। इससे पहले राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने संकेत दिए थे कि दक्षिण 24 परगना सहित कुछ संवेदनशील इलाकों में ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के आधार पर दोबारा वोटिंग कराई जा सकती है। उधर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार रात अपने भवानीपुर क्षेत्र के गिनती केंद्र पर कई घंटे बिताए। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां गड़बड़ी की जा सकती है। हालांकि, चुनाव अधिकारियों ने इन आरोपों को गलत बताया है और कहा है कि स्ट्रॉन्ग रूम की सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी हो रही है। तनाव को देखते हुए कोलकाता पुलिस ने भवानीपुर के गिनती केंद्र और -शेष पृष्ठ दो पर

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर

जल्द महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट संकट के बीच पेट्रोल-डीजल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। टीओआई ने एक सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव न करने से सरकार को नुकसान बढ़ सकता है। बता दें इस हफ्ते के अंत में कच्चे तेल की कीमत चार साल के अपने सबसे उच्चतम स्तर 126 -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में सीएम पद पर बदलाव को लेकर खड़गे का बड़ा बयान, कहा-

हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं

कलबुर्गी। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने साफ कहा है कि फिलहाल सिद्धारमैया ही सीएम रहेंगे। हालांकि, अपने बयान में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं। उनके बयान को लेकर भाजपा ने उन्हें कटघरें में लाकर खड़ा कर दिया है। यहां तक कि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष होने तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खड़गे ने कहा कि मुख्यमंत्री पद में बदलाव की बात हर दिन होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति अध्यक्ष के रूप में वह, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मिलकर यह निर्णय लेंगे। कांग्रेस आलाकमान प्रमुख संगठनात्मक और राजनीतिक मामलों पर निर्णय से पहले वरिष्ठ नेतृत्व से परामर्श करता है। खड़गे ने कहा कि वे सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर जोर देते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोनिया गांधी या राहुल गांधी की भागीदारी के बिना कोई निर्णय नहीं होता। आलाकमान के भीतर व्यापक चर्चा होती है और वरिष्ठ नेताओं से परामर्श किया जाता है। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

विदेशों में बैठे अपराधियों की उल्टी गिनती शुरू

भारत ने लॉन्च किया ऑपरेशन ग्लोबल हंट

नई दिल्ली। भारत में अपराध करके विदेशों में छिपे बैठे माफिया, ड्रग तस्करों और गैंगस्टरों के खिलाफ भारतीय एजेंसियों ने अब तक का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय अभियान शुरू कर दिया है। इस ऑपरेशन का नाम रखा गया है ऑपरेशन ग्लोबल हंट। इस मिशन के तहत करीब 100 भगोड़े अपराधियों को पकड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए एनसीबी, सीबीआई, ईडी और एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियां इंटरपोल के साथ मिलकर दुनिया भर में संयुक्त कार्रवाई करेंगी। सूत्रों के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान : अराघची को विदेश मंत्री पद से हटा सकते हैं राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान। ईरान की सत्ता व्यवस्था इन दिनों गंभीर आंतरिक खींचतान से गुजर रही है, जहां राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं, जिन पर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ का भरोसा कमजोर पड़ता दिख रहा है। दोनों शीर्ष नेताओं द्वारा उन्हें पद से हटाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे देश के भीतर सत्ता संतुलन को लेकर नई बहस छिड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति और संसद अध्यक्ष का मानना है कि अराघची ने हाल के सप्ताहों में सरकार की नीतियों को लागू करने वाले मंत्री की बजाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी -शेष पृष्ठ दो पर

यूनुस ने अपने ही देश के बैंक को लगाया सौ करोड़ का चूना!

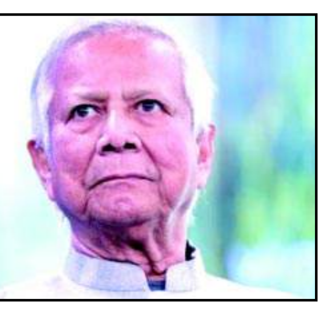

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस बुरी तरह फंस गए हैं। उन पर 100 करोड़ टका के गलत इस्तेमाल का आरोप लगा है। बांग्लादेश की सरकार ने इसकी जांच शुरू कर दी है। यूनुस अगस्त 2024 से लेकर फरवरी 2026 तक बांग्लादेश के कार्यकारी प्रमुख थे। उन्हें शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया था। स्थानीय मीडिया के मुताबिक कुछ बैंकों ने यह आरोप लगाया है कि बांग्लादेश में चुनाव के दौरान हुए जनमत संग्रह में उनके पैसों का इस्तेमाल किया गया। ये पैसे यूनुस सरकार के दबाव में दिए गए। सरकार ने गैर-कानूनी तरीके से बैंकों पर यह दबाव डाला था। जनमत संग्रह कराने का मकसद बांग्लादेश के संविधान को मजबूत करना था। यूनुस खुद इस अभियान को लीड कर रहे थे। एक अखबार ने बैंकों के हवाले से एक रिपोर्ट की है। इसके मुताबिक जनमत संग्रह के प्रचार के लिए यूनुस सरकार ने बैंकों के सीएसआर फंड से 100 करोड़ टका ले लिए। इन पैसों का इस्तेमाल यूनुस सरकार को खुश करने के लिए इस्तेमाल किया गया। दरअसल, यूनुस सरकार चाहती -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में नागरिकता के नियमों में बदलाव नाबालिग बच्चों के लिए भी रूल

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिकता नियम, 2009 में संशोधन लागू किए, जिसके तहत प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्डधारकों और नागरिकता आवेदनों से संबंधित कई प्रक्रियाओं में डिजिटल माध्यम का इस्तेमाल शुरू किया गया है। गुरुवार को प्रकाशित राजपत्र अधिसूचना में सरकार ने बच्चों से संबंधित नागरिकता आवेदनों के लिए एक विशेष प्रावधान जोड़ा है कि नाबालिग बच्चा किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट के साथ-साथ किसी दूसरे देश का पासपोर्ट नहीं रख सकता। नए नियम, नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 के तहत अब ओसीआई कार्ड पंजीकरण और उसे छोड़ने के लिए आवेदन अब पूरी तरह ऑनलाइन पोर्टल के जरिए होंगे। ओसीआई छोड़ने की घोषणा करने पर व्यक्ति को अपना मूल कार्ड निकटतम भारतीय मिशन, पोस्ट या विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) के पास जमा करना होगा। सरकार की तरफ से ओसीआई दर्जा रद्द किए जाने की स्थिति में भी कार्ड लौटाना अनिवार्य होगा। अगर कार्ड वापस नहीं किया जाता है, तब भी सरकार उसे आधिकारिक रूप से रद्द -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

सेना ने ऊपरी असम में एक अविघटित बम को निष्क्रिय किया

गुवाहाटी। भारतीय सेना के बम निरोधक दस्ते ने गुरुवार को ऊपरी असम के तिनसुकिया जिले के लेखापानी के लेडो में एक नागरिक क्षेत्र से बरामद एक अविघटित बम (द्वितीय विश्व युद्ध के समय का) को तुरंत निष्क्रिय कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि लगभग 12 इंच लंबा और छह इंच व्यास का यह अविघटित बम (यूएक्सओ) क्षेत्र में जान और माल के लिए संभावित खतरा पैदा कर सकता है। सूचना मिलते ही, भारतीय सेना के रेड शील्ड सैपर्स ने तुरंत बम निरोधक दल को घटनास्थल पर भेजा। दल ने तुरंत इलाके को सुरक्षित कर लिया, आसपास के नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और एक सुरक्षित घेरा बनाकर सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया, एक आधिकारिक बयान में कहा गया। बयान में कहा गया है कि अस्पष्ट विस्फोटक को सावधानीपूर्वक संभाला गया और नागरिक बस्तियों से दूर एक निर्दिष्ट सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

बंगाल में चुनाव के बाद बवाल

तीन जिलों में भारी हिंसा, पुलिस ने शुरू की जांच, छावनी में बदला राज्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण का मतदान संपन्न होते ही राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा की खबरें आने लगी हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जिलों में हिंसा की कम से कम तीन बड़ी घटनाएं दर्ज की गईं। पुलिस ने इन मामलों में जांच शुरू कर दी है। मुर्शिदाबाद जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के लोचनपुर में गुरुवार रात खूनी संघर्ष हुआ। यहां सीपीआईएम के पोलिंग एजेंट रूहुल अमीन पर जानलेवा हमला किया गया। पार्टी सूत्रों का आरोप है कि अमीन एक चाय की दुकान पर बैठे थे। तभी तृणमूल कांग्रेस के एक क्षेत्रीय पदाधिकारी के नेतृत्व में स्थानीय नेताओं के समूह ने उन पर हमला कर दिया। परिजनों के मुताबिक, रूहुल रात में घर से बाहर निकले थे। परिवार का आरोप है कि उन्हें पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। बाद में उन्हें स्थानीय लोगों ने बचाया। सीपीआईएम ने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने शुरुआत में कोई कार्रवाई नहीं की। बाद में रानीनगर विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार ने पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया, जिसके बाद अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। इस मामले में एक गंभीर आरोप यह भी है कि चाय की दुकान के सीसीटीवी फुटेज का कुछ हिस्सा डिलीट कर दिया गया है। हिंसा की दूसरी घटना मालदा जिले के रतुआ क्षेत्र के उत्तर बालूपुर में सामने आई। यहां भाजपा के मंडल अध्यक्ष महानंद मंडल पर गुरुवार दोपहर हमला हुआ। भाजपा नेताओं का आरोप है कि संदिग्ध टीएमसी कार्यकर्ताओं ने मंडल को बीच सड़क पर रोका। इसके बाद उन पर ईंटों से ताबड़तोड़ हमला किया गया। घायल मंडल को गंभीर हालत में मालदा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ भाजपा नेता खगेन मुर्मू ने अस्पताल जाकर उनका हाल जाना। मुर्मू ने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों की मौजूदगी के कारण टीएमसी मतदान के दौरान हिंसा नहीं कर सकी। अब वे हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं।

मतगणना से पहले एससी पहुंची टीएमसी

पर्यवेक्षकों की तैनाती से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम कोलकाता उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया था। यह याचिका पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से संबंधित थी। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना में पर्यवेक्षकों की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। पार्टी ने केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पर्यवेक्षक बनाने के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारी भी शामिल थे। अब सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ 2 मई को इस मामले की सुनवाई करने वाली है। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ कल सुबह 10:30 बजे याचिका पर सुनवाई करेगी। अपनी याचिका में टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट से कल इस मामले पर तत्काल सुनवाई करने का आग्रह किया, जिसमें कहा गया है कि चुनाव वाले राज्य में मतगणना सोमवार सुबह से शुरू होने वाली है, और याचिका की सुनवाई में किसी भी प्रकार की देरी इसे निष्फल बना देगी। तृणमूल कांग्रेस का मानना था कि यह फैसला निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में इस पर गंभीर सवाल उठाए थे। पार्टी ने तर्क दिया था कि यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। अब तृणमूल कांग्रेस ने इस महत्वपूर्ण मामले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाने का निर्णय लिया है। तृणमूल कांग्रेस ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि केवल केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती अनुचित है। उनका कहना था कि इससे मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा हो सकता है। पार्टी ने राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी पर्यवेक्षक के रूप में शामिल करने की मांग की थी। उन्होंने चुनाव आयोग के इस विशेष फैसले को चुनौती दी थी। तृणमूल कांग्रेस ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील की है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि सर्वोच्च न्यायालय उनकी दलीलों पर गंभीरता से विचार करेगा। वे चाहते हैं कि मतगणना प्रक्रिया में सभी पक्षों की समान भागीदारी सुनिश्चित हो। इस महत्वपूर्ण मामले पर अब सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई होगी।

मई में सामान्य से 110 प्रतिशत अधिक होगी बारिश, आईएमडी का पूर्वानुमान

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार मई का महीना देश के अधिकांश हिस्सों के लिए, राहत और चुनौतियों का मेल भरा रहेगा। एक तरफ जहां पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश की अधिक संभावना है, वहीं कुछ राज्यों में लोगों को सामान्य से अधिक हीटवेव का सामना करना पड़ सकता है। मई के लिए अनुमान जारी करते हुए शनिवार को भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से 110 प्रतिशत अधिक बारिश का अनुमान जताया है। विभाग ने बताया कि पूरे देश में औसत बारिश सामान्य से अधिक होने के संभावना है। साल 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर मई में औसतन 61.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। विभाग के अनुसार देश में अधिकांश स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश रहेगी सिवाय पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत तथा पूर्वी मध्य भारत के कुछ हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रहेगी। वहीं, गर्मी की बात करें तो देश के अधिकांश राज्यों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। लेकिन मई के महीने में गंगा के मैदानी क्षेत्र, पूर्वी तटीय राज्यों, गुजरात, और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिन रहने की संभावना है। गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तटीय ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में सामान्य से अधिक दिनों तक हीट वेब रहने की संभावना है।

बुद्ध पूर्णिमा पर डॉ. शर्मा ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों सहित समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और भगवान गौतम बुद्ध के संदेशों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि शांति, प्रेम, दया, अहिंसा और असीम करुणा के पवित्र उपदेशों से विश्व मानवता को आलोकित करने वाले महान गौतम बुद्ध का जीवन और दर्शन आज भी प्रासंगिक है।

PUBLIC NOTICE

The girl was found abandoned age 10 years (approximately) by the RPF, Kokrajhar vide No.KPF/Rescue/2026 Dated: 27/04/2026. She tells her name as Poonam Kumari daughter of Amit Yadav and Meena Devi, known to be resident of Katihar Railway station area (Bihar). If any parents / guardian read this advertisement as mentioned above, please contact at Office of the District Child Protection Officer, Court Para, W/No: 10, Near DC Office, Kokrajhar, Assam, within 30 days or contact at 7086251229/ 8474857266

Email : probationofficer.kokrajhar@gmail.com)

Name : Miss Poonam Kumari
Age : 10 yrs (approx.)
Father's Name : Amit Yadav, Mother's Name: Meena Devi,
Address : Katihar (Bihar)
Height : 99.7 cm
Skin complexion : Brown skin
Hair : Black
Language spoken : Hindi speaking.

-- DIPR /D/VBS-6/2-May-26

पृष्ठ एक का शेष

पवन खेड़ा को ...

तो वे अपनी कब्र में करवटें बदलते। सिंघवी ने यह भी बताया था कि उनके मुवक्किल के खिलाफ ज्यादातर आरोप मानहानि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से जुड़े हैं, और इनमें से किसी के लिए भी गिरफ्तारी या हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है, जैसा कि मांगा गया था। उन्होंने कहा कि मान लीजिए कि मैं अंतत दोषी ठहराया जाता हूं, उसके बाद भी इसमें गिरफ्तारी की जरूरत कहां है? इस मामले में ऐसा क्या है जो बिना गिरफ्तारी के नहीं किया जा सकता। इसके जवाब में, मेहता ने जोर देकर कहा था कि, खेड़ा से हिरासत में पूछताछ की जरूरत है; ताकि उन तस्वीरों और दस्तावेजों के स्रोत का पता लगाया जा सके। जिन्हें कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री की पत्नी के बारे में अपने बयानों के समर्थन में पेश किया था सॉलिसिटर जनरल ने विदेशी तत्वों द्वारा हमारे चुनावों में हस्तक्षेप (असम में 9 अप्रैल को मतदान हुआ था) का अस्पष्ट संदर्भ दिया और यह भी दावा किया कि खेड़ा फरार थे। बता दें कि, खेड़ा ने गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा पिछले हफ्ते उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था; हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के देश छोड़कर भाग जाने का जोखिम है और उन पर धोखाधड़ी और जालसाजी सहित गंभीर आरोप हैं। वहीं, दो हफ्तों में यह दूसरी बार है, जब पवन खेड़ा इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश हुए हैं। 17 अप्रैल को उन्हें बताया गया था कि, कोर्ट तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट बेल पर लगी रोक को नहीं हटाएगा। यह मामला 4 अप्रैल को हुई एक प्रेस कांफ्रेंस से जुड़ा है। जिसमें पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि, मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा की पत्नी के पास तीन देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने रिनिकी शर्मा पर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया था कि, दुबई में उनकी कुछ आलीशान संपत्तियां भी हैं, जिनका खुलासा नहीं किया गया है। जो अमेरिका के किसी राज्य में स्थित एक कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड हैं। शर्मा परिवार ने इन दावों को पूरी तरह से खारिज करते हुए इन दस्तावेजों को एआई-जनित मनगढ़ंत बातें बताया था। जिन्हें पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप्स द्वारा फैलाया जा रहा है। इसके बाद गुवाहाटी पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी।

फर्जी दस्तावेजों से ...

अधिवक्ता और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत को *कानूनी मर्यादा की विजय* करार दिया है। उन्होंने इस कानूनी प्रक्रिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट से शीर्ष अदालत तक का यह घटनाक्रम साफ करता है कि सत्ता का दुरुपयोग केवल विपक्ष की आवाज दबाने और नेताओं को प्रताड़ित करने के लिए किया जा रहा है। सिंघवी ने जोर देकर कहा कि जिस प्रेस कांफ्रेंस को आधार बनाकर मानहानि का आरोप लगाया गया है, उसमें सभी तथ्य और दस्तावेज पूरी पारदर्शिता के साथ जनता के सामने रखे गए थे।

बीटीसी की सभी ...

पर्वतझोड़ा, बिजनि और तामुलपुर जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम वोट शेयर का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वह इन सीटों पर विजयी होकर उभरेगा। बैठक के दौरान, मोहिलारी ने सभी 15 निर्वाचन क्षेत्रों के ब्लॉक-स्तरीय नेताओं के साथ चुनावी स्थिति की समीक्षा की और इस बात पर जोर दिया कि बीटीसी प्रशासन को मजबूत करना पार्टी की प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की ज्यादा परवाह नहीं है कि हमें मंत्री पद दिए जाते हैं या नहीं। हमारा मुख्य उद्देश्य बीटीसी को मजबूत करने के लिए काम करना है। इस बैठक में पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने संगठनात्मक रणनीतियों और चुनाव के बाद की योजनाओं पर भी चर्चा की।

एग्जिट पोल : एजेपी अध्यक्ष...

अतीत में अक्सर गलत साबित हुए हैं। उन्होंने बताया कि 1996 से भारत में इस तरह की 57 प्रतिशत से अधिक भविष्यवाणियां गलत साबित हुई हैं। गोगोई ने कहा कि एग्जिट पोल को अंतिम परिणाम नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि ये *अनिश्चित अनुमान* होते हैं जो अक्सर सटीक नहीं होते। उन्होंने 2004 के लोकसभा चुनावों सहित कई पिछले चुनावों का हवाला दिया, जहां भविष्यवाणियां परिणामों से मेल नहीं खाती थीं, साथ ही 2014 और 2024 के आम चुनावों का भी जिक्र किया, जहां पूर्वानुमान गलत साबित हुए थे। उन्होंने दिल्ली (2015), बिहार (2020), पश्चिम बंगाल (2021), हिमाचल प्रदेश (2022) और गोवा (2022) के राज्य चुनावों का भी हवाला देते हुए कहा कि वास्तविक परिणाम अनुमानों से काफी भिन्न थे। उनके अनुसार, यह मतदाताओं की भावनाओं को समझने में बार-बार हुई विफलता को दर्शाता है। गोगोई ने आगे आरोप लगाया कि एग्जिट पोल की त्रुटियां केवल तकनीकी ही नहीं बल्कि राजनीतिक और व्यावसायिक हितों से भी प्रभावित होती हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ मीडिया संगठन सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में जनमत को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कई समाचार चैनल पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाते हैं और *लहर* की धारणा बनाने के लिए एग्जिट पोल का इस्तेमाल करते हैं, जिससे मतगणना से पहले का माहौल भी प्रभावित हो सकता है। उन्होंने मीडिया संस्थानों पर कॉरपोरेट दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वित्तीय हित अक्सर अनुमानों को प्रभावित करते हैं। उनके अनुसार, सनसनीखेज रिपोर्टिंग और अतिरंजित भविष्यवाणियां वास्तविक आंकड़ों के बजाय दर्शकों की संख्या बढ़ाने की होड़ से उत्पन्न होती हैं। उन्होंने सर्वेक्षण विधियों की कमियों की ओर भी इशारा किया, जिनमें नमूना लेने संबंधी समस्याएं और मतदाताओं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, द्वारा अपनी पसंद बताने में संकोच करना शामिल है। पार्टी ने कहा कि असम की विविध सामाजिक संरचना और जटिल गठबंधन पैटर्न सटीक पूर्वानुमान लगाना मुश्किल बनाते हैं, क्योंकि जातिगत गतिशीलता, सामुदायिक कारक और अंतिम समय में होने वाले बदलावों को सर्वेक्षणों में शामिल करना कठिन है। एजेपी के महासचिव जगदीश भुयान ने कहा कि 2026 की राजनीतिक स्थिति 2021 से बहुत अलग है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अब अधिक एकजुट है, जबकि सत्ताधारी गठबंधन आंतरिक मतभेदों का सामना कर रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सत्ता विरोधी भावनाएँ प्रबल हैं, जिन्हें एग्जिट पोल नहीं दर्शा पाए हैं। भुयान ने कहा कि मतदाताओं के वास्तविक व्यवहार का आकलन मीडिया स्टूडियो से नहीं किया जा सकता। पार्टी ने विश्वास जताया कि मतगणना पूरी होने के बाद वास्तविक परिणाम अनुमानों से भिन्न होंगे। उसने लोगों से एग्जिट पोल पर भरोसा न करने का आग्रह किया और उन्हें *मीडिया के अनुमान* बताते हुए कहा कि ये अंतिम जनादेश नहीं हैं। एजेपी ने आगे कहा कि असली फैसला 4 मई को ईवीएम की गिनती में सामने आएगा।

हिमंत के बयान पर भड़का ...

कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। इससे पहले सीएम शर्मा ने 25 अप्रैल को अपने एक पोस्ट में कहा था कि असम में 20 विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया और उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। भारतीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शर्मा ने अपने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि लातों के भूत बातों से नहीं मानते। हम तब असम से उन घुसपैठियों को बाहर निकालते हैं जब वो खुद से नहीं जाते। ऐसे में हम लगातार इस कहावत को याद करते हैं। जैसे, ये 20 अवैध बांग्लादेशी जिन्हें कल रात धक्का देकर वापस भेज दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि असम लड़ेगा। वापस भेजने का यह सिलसिला जारी रहेगा। शर्मा ने इस पोस्ट के साथ उन लोगों की 2 तस्वीरें भी लगाई थी जिन्हें वापस भेजा गया था, लेकिन उनके चेहरे धुंधले कर दिए गए थे। बांग्लादेश ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा करने वाले सार्वजनिक बयान नुकसानदेह होते हैं, और संवेदनशील द्विपक्षीय मुद्दों पर बात करते समय संयम बरतने के महत्व को रेखांकित किया।

बंगाल चुनाव : 15 मतदान...

सखावत मेमोरियल स्कूल (जहां ईवीएम रखी हैं) के बाहर धारा 163 लागू कर दी है। पुलिस ने कोलकाता में उन 7 जगहों पर लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है जहां ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम बनाए गए हैं। यह फैसला तब लिया गया जब एक वायरल वीडियो में उत्तरी कोलकाता के एक केंद्र पर कुछ संदिग्ध गतिविधि का दावा किया गया था। 4 मई को नतीजे आने से पहले पूरे शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और राजनीतिक दल एक-दूसरे पर गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं।

जल्द महंगा हो ...

यूएस डॉलर प्रति बैरल तक चली गई है, हालांकि इसमें बाद में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई लेकिन यह काफी नहीं है। सरकारी सूत्र के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में निकट भविष्य में बढ़ोतरी की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता। तेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले सप्ताह बताया था कि पेट्रोल पर प्रति लीटर लगभग 20 रुपए और डीजल पर करीब 100 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों ने इससे पहले पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग खत्म होने के बाद प्रति लीटर 25-28 रुपए की कीमत में वृद्धि की संभावना जताई थी। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस सप्ताह कच्चा तेल चार साल के उच्चतम स्तर 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, हालांकि बाद में थोड़ी गिरावट आई लेकिन यह 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है। इस महीने औसत कीमत 114 डॉलर से अधिक रही, जबकि पिछले साल यह 70 डॉलर के आसपास थी। अमेरिका-ईरान संघर्ष और हार्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर पाबंदी के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ा है। सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी, औद्योगिक डीजल और जेट फ्यूल की कीमतें बढ़ा दी हैं, लेकिन आम उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ीं हैं।

हमारे फैसले सोनिया...

अभी तक कोई तारीख तय नहीं हुई है, इसलिए किसी भी बदलाव पर अटकलें लगाना जल्दबाजी होगी। खड़गे ने आगे कहा कि एक बार निर्णय लेने के बाद यह कर्नाटक के सर्वोत्तम हित में होगा। उन्होंने सभी से पार्टी नेतृत्व के अंतिम निर्णय का सम्मान करने का आग्रह किया। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार नेतृत्व-साझाकरण व्यवस्था को लेकर आंतरिक मतभेदों का सामना कर रही है। यह विशेष रूप से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों के बीच है। पार्टी के कुछ वर्गों ने कथित 2023 के सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला देते हुए शिवकुमार को शेष कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। इस नेतृत्व की खींचतान के कारण राज्य सरकार में स्थिरता बनाए रखने के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच कई दौर की चर्चाएं हुई हैं। यह मुद्दा पिछले साल नवंबर में सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा पड़ाव पार करने के बाद गति पकड़ गया। सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ-साथ गृह मंत्री जी परमेश्वर को भी कर्नाटक कांग्रेस इकाई के भीतर आंतरिक नेतृत्व की गतिशीलता में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। खड़गे ने गुरुवार को कहा था कि कांग्रेस आलाकमान जल्द ही कर्नाटक में नेतृत्व की अनिश्चितता को हल करने की उम्मीद कर रहा है। यह संगठनात्मक आकलन के आधार पर सिद्धारमैया को पद पर जारी रखने या मंत्रिमंडल में फेरबदल को मंजूरी देने से हो सकता है।

भारत ने लॉन्च किया...

इंटरनेशनल सिंडिकेट से जुड़े अपराधियों की लोकेशन पता करने के लिए इंटरपोल के जरिए सिल्वर नोटिस का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय एजेंसियां अब सिर्फ प्रत्यर्पण प्रक्रिया पर निर्भर नहीं रहना चाहतीं, बल्कि कई मामलों में विशेष विमान के जरिए आरोपियों को सीधे भारत लाने की तैयारी की जा रही है। इस ऑपरेशन का मुख्य निशाना अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट, साइबर अपराधी, आर्थिक अपराधी और संगठित गैंग हैं। एजेंसियों का कहना है कि कई अपराधी विदेशों में बैठकर भारत में ड्रग्स सप्लाई और संगठित अपराध चला रहे हैं। भारतीय एजेंसियों ने इस अभियान की रणनीति इंटरपोल सदस्य देशों की कांफ्रेंस में तैयार की थी। मकसद साफ है- विदेशों में छिपे अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करवाना और भारत वापस लाना। हाल ही में भारतीय एजेंसियां दाऊद इब्राहिम के करीबी रहे सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल से डिपोर्ट कर भारत ला चुकी हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि ड्रग टेरर नेटवर्क है, जो विदेश से ऑपरेट होकर भारत में नशे का कारोबार फैला रहा है। जांच एजेंसियों के रडार पर ये बड़े नाम- आसिफ इकबाल मेमन, हाजरा इकबाल मेमन, जुनैद इकबाल मेमन, हरमीत सिंह, प्रदीप सिंह, परमजीत ढालीवाल, सनी गोसलविस, जसविंदर सिंह, टिसन बिश्नोई, हाजी सलीम, संदीप धुनिया। बताया जा रहा है कि जसविंदर उर्फ जैज और सनी कालरा फिलहाल दुबई पुलिस की हिरासत में हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में करीब 1.33 लाख किलो ड्रग्स जब्त किए गए, जिसकी कीमत लगभग 2000 करोड़ बताई गई। 77 हजार किलो ड्रग्स नष्ट किए गए, जिनकी कीमत करीब 3889 करोड़ थी। 265 ड्रग्स अपराधियों को सजा दिलाई गई। इंटरपोल के जरिए 37 नोटिस जारी किए गए। अब तक 5 भगोड़ों को भारत वापस लाने में सफलता मिली है। भारतीय एजेंसियों का कहना है कि आने वाले समय में ऑपरेशन ग्लोबल हंट के तहत और बड़े खुलासे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

यूनुस ने अपने ही ...

थी कि पूरे बांग्लादेश में जनमत संग्रह के पक्ष में वोट देने के लिए लोगों से अपील की जाए। इसके लिए कई एनजीओ की मदद ली गई। बैंकों का कहना है कि सरकार ने दबाव के तहत हमसे एनजीओ को पैसा दिलवाए। इस काम में सरकारी नियमों का भारी उल्लंघन हुआ, जिसके कारण बैंकों की स्थिति अब खराब हो गई है। बैंकों की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यूनुस सरकार ने जनमत संग्रह के प्रचार के लिए ऐसे 3 संगठनों को पैसे देने के लिए कहा, जो संदिग्ध थे। इनमें एक संगठन फाउंडेशन डिबेट फॉर डेमोक्रेसी के पास आवश्यक दस्तावेज भी नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी दबाव में एसोसिएशन ऑफ बैंकर्स बांग्लादेश ने शुजान नामक संगठन को को 2.5 करोड़ टका और डिबेट फॉर डेमोक्रेसी को 21 लाख टका और एसएडी फाउंडेशन को 1 करोड़ टका दिए। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने जनमत संग्रह के प्रचार के लिए 142 करोड़ टका खर्च किए थे। जनमत संग्रह के प्रचार के लिए 6 मंत्रालयों को काम पर लगाया गया था। हालांकि, जनमत संग्रह लागू होने के बाद भी बीएनपी की सरकार इसे अमल में नहीं ला रही है। तारिक रहमान की सरकार जनमत संग्रह के फैसलों को एक-एक कर पलटने का काम कर रही है।

भारत में नागरिकता के ...

कर सकती है। ई-ओसीआई धारकों के मामले में सरकार अपने रिकॉर्ड में डिजिटल रद्द कर सकती है। नए नियमों में डॉक्यूमेंट की डुप्लिकेट प्रति जमा करने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है और ई-ओसीआई व्यवस्था शुरू की गई है, जिसके तहत आवेदकों को भौतिक ओसीआई कार्ड दिया जा सकता है या डिजिटल रूप में ओसीआई रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। नए नियमों में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि ओसीआई या नागरिकता आवेदन खारिज होता है, तो उसे चुनौती देने का अधिकार होगा। ऐसे मामलों की समीक्षा अब मूल निर्णय लेने वाले अधिकारी से *एक स्तर ऊपर के प्राधिकारी* द्वारा की जाएगी। ओसीआई योजना को 2005 में नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन के माध्यम से लागू किया गया था। ये योजना भारतीय मूल के व्यक्तियों को भारत के प्रवासी नागरिक के रूप में रजिस्ट्रेशन करने का प्रावधान करती है, बशर्ते वे 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत के नागरिक रहे हों, या उस तिथि को नागरिकता प्राप्त करने के पात्र रहे हों। हालांकि, वे व्यक्ति जो पाकिस्तान या बांग्लादेश के नागरिक हैं या रहे हैं, या जिनके माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-परदादी पाकिस्तान या बांग्लादेश के नागरिक थे, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं हैं।

ईरान : अराघची को ...

गार्ड कोर के कमांडर अहमद वाहिदी के सहयोगी की तरह काम किया है। आरोप है कि उन्होंने संवेदनशील परमाणु वार्ताओं के दौरान वाहिदी के निर्देशों का पालन किया और राष्ट्रपति को इस बारे में पूरी जानकारी नहीं दी। इससे कार्यपालिका के भीतर असंतोष बढ़ा है और राष्ट्रपति ने अपने करीबी सहयोगियों को संकेत दिया है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो वह कड़ा कदम उठा सकते हैं। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान पहले से ही राजनीतिक और सैन्य संस्थानों के बीच गहरे मतभेदों से जूझ रहा है। जारी संघर्ष और उसके आर्थिक प्रभावों ने इन मतभेदों को और तीखा कर दिया है। पहले की रिपोर्टों में भी यह सामने आया था कि राष्ट्रपति पेजेशकियन और कमांडर अहमद वाहिदी के बीच युद्ध प्रबंधन और उसके आर्थिक असर को लेकर गंभीर असहमति है। राष्ट्रपति का मानना है कि युद्ध के कारण आम लोगों की आजीविका और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है, जबकि सैन्य नेतृत्व सुरक्षा प्राथमिकताओं को सर्वोपरि मानता है। सूत्रों ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति खुद को एक तरह के राजनीतिक गतिरोध में फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें महत्वपूर्ण सरकारी नियुक्तियों पर भी पूरा अधिकार नहीं मिल पा रहा है। दूसरी ओर, वाहिदी का तर्क है कि युद्धकालीन परिस्थितियों में संवेदनशील पदों का नियंत्रण सीधे रिवोल्यूशनरी गार्ड के हाथ में होना चाहिए। इस टकराव ने सरकार के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन आंतरिक मतभेदों का असर ईरान की विदेश नीति और विशेष रूप से अमेरिका के साथ चल रही वार्ताओं पर भी पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, वार्ता टीम के भीतर मतभेदों के कारण अप्रैल के मध्य में बातचीत से पीछे हटना पड़ा। बताया जाता है कि अराघची ने वार्ता के दौरान कुछ मुद्दों पर लचीलापन दिखाया, जैसे क्षेत्रीय सहयोगियों, विशेषकर हिज्बुल्लाह को मिलने वाली वित्तीय और सैन्य सहायता में कमी। इस रुख का वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों, जिनमें मोहम्मद बाघेर जुलघदर भी शामिल हैं, उन्होंने कड़ा विरोध किया। अमेरिका की ओर से भी इस स्थिति पर प्रतिक्रिया आई। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को लगा कि ईरानी टीम के पास अंतिम समझौता करने का अधिकार नहीं है और उन्हें तेहरान के उच्च नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार करना पड़ता है। इससे वार्ता प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे। साथ ही वार्ता टीम के नेतृत्व को लेकर भी असहमति सामने आई है। पहले दौर की बातचीत में ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था, जिसमें इस्लामाबाद में हुई बैठकें भी शामिल थीं। हालांकि, कुछ कट्टरपंथी सांसदों ने टीम का खुलकर समर्थन नहीं किया, भले ही संसद में व्यापक समर्थन मौजूद था। बाद में परमाणु ऊर्जा से जुड़े मुद्दों को बातचीत में शामिल करने की कोशिश को लेकर गालिबाफ की आलोचना हुई, जिसके बाद उन्होंने पीछे हटने का निर्णय लिया। इसके बाद अब्बास अराघची ने वार्ता में अधिक प्रमुख भूमिका निभाने की कोशिश की और 24 अप्रैल को इस्लामाबाद जाकर तेहरान का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति ने खारिज कर दिया, जिससे कूटनीतिक प्रयासों को झटका लगा। हालांकि अराघची को हटाने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जिस तरह के संकेत सामने आ रहे हैं, वे ईरान के नेतृत्व के भीतर गहराते संकट की ओर इशारा करते हैं। एक ओर आंतरिक सत्ता संघर्ष है, तो दूसरी ओर बाहरी दबाव और ठप पड़ी कूटनीति।

तिरप से एनएससीएन ...

को गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान विंगन अगन (33), जॉनी रिबा (21) और राजापेयु खेचन खेते (30) के रूप में हुई है। उग्रवादियों के पास से 2 पिस्तौल, 9 जिंदा कारतूस, 3 मोबाइल फोन, सिम कार्ड, 3 जीपीआरएन पत्र और लगभग 500 मूल्य की ब्राउन सुगर बरामद की गई है। गिरफ्तार व्यक्तियों और बरामद सामान को आगे की जांच के लिए अरुणाचल प्रदेश पुलिस, खोंसा को सौंप दिया गया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय एक प्रमुख नगा सशस्त्र उग्रवादी और अलगाववादी समूह है। इस संगठन का मुख्य लक्ष्य भारत और म्यांमार के नगा-बहुल क्षेत्रों को मिलाकर एक संप्रभु और स्वतंत्र नगालैंड (नगालिम) का निर्माण करना है। यह समूह मुख्य रूप से नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश के तिराप और चांगलांग जिले के साथ ही म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय है। हिंसक गतिविधियों के कारण भारत सरकार ने इस पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित लगा रखा है। यह समूह सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करने, अपहरण और जबरन वसूली जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। केंद्र सरकार द्वारा इस पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और समय-समय पर इसके प्रतिबंध को 5-5 साल के लिए बढ़ाया जाता रहा है।

जम्मू में गिरा निर्माणाधीन ...

हैं। राहत कार्य के शुरुआती चरण में बचाव दल को एक बड़ी कामयाबी मिली है। मलबे के नीचे दबे एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। अभी भी मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर मुख्यमंत्री का संदेश, श्रमिकों को दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर राज्य के सभी श्रमिकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि श्रमिकों की निष्ठा, परिश्रम और योगदान से ही एक विकसित और समृद्ध समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि *विकसित भारत* के निर्माण में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके कठिन परिश्रम से ही देश आगे बढ़ रहा है। डॉ. शर्मा ने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकारों ने श्रमिकों के हित में कई नीतियां लागू की हैं, जिनका उद्देश्य कार्य परिस्थितियों में सुधार, सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके योगदान को उचित मान्यता देना है।

मई दिवस पर मनाया गया श्रमिक दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। मई दिवस, अर्थात अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस, पूरे विश्व में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन उन ऐतिहासिक श्रमिक आंदोलनों, उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है, जिन्होंने श्रमिकों के अधिकारों की नींव रखी। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में श्रमिकों ने अपने अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया, जिसके परिणामस्वरूप आज उन्हें कई बुनियादी सुविधाएं और अधिकार प्राप्त हुए हैं। इस दिन का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के योगदान को सम्मान देना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। राज्य के अन्य क्षेत्रों की तरह शुक्रवार को गुवाहाटी में भी श्रमिक दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। विभिन्न श्रमिक यूनियनों के नेतृत्व में शहर में रैली और शोभायात्रा निकाली गई। इन रैलियों में श्रमिकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और अपने अधिकारों की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। बैनर, पोस्टर और नारों के माध्यम से उन्होंने अपनी एकता और संघर्ष का संदेश दिया। इसी प्रकार धुबड़ी में भी मई दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रमिक आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके पश्चात श्रमिकों के अधिकार, उचित वेतन, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर एक विचार-विमर्श सभा आयोजित की गई। सभा में वक्ताओं ने श्रमिकों की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त की और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश और समाज के विकास में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए उनके अधिकारों की रक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना आवश्यक है। मई दिवस के अवसर पर नगांव जिले के जिला आयुक्त ने शुक्रवार को इस दिन को एक अनोखे और सराहनीय तरीके से मनाया। उन्होंने पूरा दिन किसानों और श्रमिकों के बीच बिताया तथा उन्हें फूलाम गामोछा भेंट कर शुभकामनाएं दीं। शुक्रवार सुबह श्रम विभाग के माध्यम से विभिन्न श्रमिक संगठनों के सदस्यों को जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आमंत्रित किया गया, जहां उनके साथ मई दिवस के महत्व पर चर्चा की गई। इस दौरान जिला आयुक्त ने देश के विकास में श्रमिकों के अमूल्य योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी को मिलकर एकजुट होकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस प्रकार पूरे विश्व के साथ राज्य में भी श्रमिक दिवस श्रमिकों के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के संकल्प के साथ मनाया गया।

मार्घेरिटा में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस का अभियान

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा क्षेत्र में पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ एक बड़े अभियान को अंजाम देते हुए कुख्यात ड्रग्स माफिया चंदन दास उर्फ नल को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई लंबे समय से क्षेत्र में चल रहे नशीले पदार्थों के कारोबार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से की गई। पुलिस ने आज बताया कि आरोपी के कब्जे से ड्रग्स के साथ-साथ सात लाख रुपए से अधिक की नकदी बरामद की गई है। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन, एक सोने की चेन और ड्रग्स के कारोबार से जुड़े अन्य आपत्तिजनक सामान भी जब्त किए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने चंदन दास की मां पुतुली दास को भी हिरासत में लिया है। उन पर भी ड्रग्स के अवैध व्यापार में संलिप्त होने का आरोप है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी लंबे समय से मार्घेरिटा क्षेत्र में ड्रग्स का अवैध कारोबार चला रहा था। मामले की जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

गौहाटी विश्वविद्यालय में *भाषार ओजा* हेमचंद्र बरुवा की 130वीं पुण्यतिथि मनाई गई

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय में असमिया भाषा के महान पुरोधा, *भाषार ओजा* के रूप में विख्यात और प्रसिद्ध शब्दकोश *हेमकोष* के रचयिता हेमचंद्र बरुवा की 130वीं पुण्यतिथि अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों और विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ननी गोपाल महंत ने हेमचंद्र बरुवा के योगदान को *हिमालय के समान विशाल* बताते हुए कहा कि असमिया भाषा के विकास, संरक्षण और आत्मसम्मान को स्थापित करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि हेमकोष जैसी अमूल्य कृति के माध्यम से बरुवा ने न केवल भाषा को वैज्ञानिक और व्यवस्थित रूप प्रदान किया, बल्कि असमिया समाज को एक सुदृढ़ आधार भी दिया। आज भी उनके विचार और कार्य हमें भाषा संरक्षण और विकास के प्रति प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर स्मिताक्षी बी. गोस्वामी ने भी भाषार ओजा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हेमचंद्र बरुवा केवल एक भाषाविद् नहीं थे, बल्कि समाज के एक सच्चे मार्गदर्शक भी थे। उन्होंने असमिया भाषा को समृद्ध और संगठित रूप देने के साथ-साथ समाज सुधार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशेष रूप से महिलाओं की स्थिति सुधारने, विधवा विवाह को बढ़ावा देने और अंधविश्वासों के विरुद्ध आवाज उठाने में उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। गौहाटी विश्वविद्यालय के संचार एवं पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर चंदन कुमार गोस्वामी ने कहा कि उस समय सीमित संसाधनों के बावजूद हेमकोष का निर्माण करना एक अद्भुत उपलब्धि थी। यदि उन्होंने उस समय इस दिशा में कार्य नहीं किया होता, तो संभव है कि आज असमिया भाषा अस्तित्व के संकट का सामना कर रही होती। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी रचनाएं आज के विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री हैं। कार्यक्रम में *सादिन-प्रतिदिन* समूह के प्रतिनिधि ऋषि बरुवा, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश महंत, इल्लोरा विज्ञान मंच के सदस्य, स्नातकोत्तर छात्र संघ के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, मुख्यमंत्री ने किया नमन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बोड़ो समाज के महान नेता बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि ब्रह्म ने बोड़ो समाज के स्वाभिमान, अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए अदम्य साहस और दृढ़ता के साथ संघर्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म के महान आदर्श, त्याग और उनके उत्कृष्ट कार्यों को बोड़ो तथा असमिया समाज सदैव स्मरण रखेगा। उन्होंने उनके प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नई दिल्ली में उनके नाम पर एक महत्वपूर्ण सड़क का नामकरण करने के साथ-साथ उनकी प्रतिमा स्थापित करने की पहल की, जो एक सराहनीय कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म असम और बोड़ोलैंड क्षेत्र के सबसे महान और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों में से एक थे। उनके आदर्श आज भी समाज की सेवा करने और बोड़ोलैंड क्षेत्रीय क्षेत्र (बीटीआर) को सशक्त एवं समृद्ध बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने अंत में बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

असम के राज्यपाल ने शरत महंत स्मारक व्याख्यान का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शुक्रवार को यहां रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में शरत महंत फाउंडेशन द्वारा आयोजित शरत महंत स्मारक व्याख्यान का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने स्वर्गीय प्रो. शरत महंत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक प्रख्यात शिक्षाविद और सामाजिक चिंतक बताया, जिनका जीवन और कार्य आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रो. महंत का अकादमिक जगत से लंबा जुड़ाव रहा और उन्होंने युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही, असम मानवाधिकार आयोग में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा में भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और जिम्मेदार नागरिक तैयार करने की प्रक्रिया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रो. महंत के प्रगतिशील और लोकतांत्रिक विचार आज के समाज में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। असम की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव जैसे महान संतों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों की शिक्षाओं ने राज्य के बौद्धिक और सांस्कृतिक परिवेश को आकार दिया है। *इंडियाएट100* विषय का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए देश के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने समावेशी विकास, समान अवसर और युवाओं के सशक्तिकरण को इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने *आत्मनिर्भर भारत* और *मेक इन इंडिया* जैसी पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि ये कार्यक्रम आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत और ऊर्जावान युवाओं के कारण असम इस परिवर्तनकारी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। युवाओं को तकनीक और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती तकनीकें भविष्य के विकास की प्रमुख चालक हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि असम के युवा भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की भी सराहना की। उल्लेखनीय है कि ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हरियाणा के संस्थापक कुलपति प्रो. (डॉ.) सी राजकुमार ने *इंडियाएटरेट100: शिक्षा, न्याय और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भविष्य निर्माण* विषय पर स्मारक व्याख्यान दिया।

पांडु-मालीगांव में धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया 2570वां बुद्ध पूर्णिमा उत्सव

गुवाहाटी (हिंस)। समग्र राज्य के साथ गुवाहाटी में भी हर्ष उल्लास के साथ बुद्ध जयंती उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर हर वर्ष की तरह पांडु बौद्ध विहार समिति के तत्वावधान में 2570वां बुद्ध पूर्णिमा उत्सव धार्मिक श्रद्धा और सांस्कृतिक धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शुक्रवार को पांडु बौद्ध विहार समिति के अध्यक्ष भंते खेमानंद भिक्षु ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन की शुरुआत प्रभात फेरी के साथ हुई। श्रद्धालु नाम-कीर्तन करते हुए पांडु-मालीगांव के विभिन्न। इलाकों में भ्रमण कर पुन: बौद्ध मंदिर लौटे। सुबह बौद्ध विहार परिसर में ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ध्वजारोहण समिति के अध्यक्ष भंते खेमानंद भिक्षु ने किया। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठानों के तहत भंतों द्वारा धर्म चर्चा की गई और विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। दोपहर में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। शाम को छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण बन गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त वाइस चांसलर डॉ. अमलेंदु चक्रवर्ती, प्रोफेसर डॉ. रमला शर्मा, रीना बरुवा सहित कई विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने अपने संबोधन में बौद्ध धर्म के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इसी दिन मालीगांव के शंकरदेव नगर स्थित एक छोटे टीले पर महा करुणिक बौद्ध विहार ट्रस्ट की ओर से 2570वीं बुद्ध जयंती और वैशाखी पूर्णिमा के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुद्ध जयंती के अवसर पर सुबह ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। ध्वजारोहण गुवाहाटी उच्च न्यायालय के प्रख्यात अधिवक्ता एवं समाजसेवी बिजन महाजन ने किया।

भारतीय सेना ने लामांग और मेनचुका में *मजदूर दिवस* पर पोर्टरों को सम्मानित किया

लामांग/मेनचुका। स्पीयरकॉर्प्स के *स्पीयरहेड डिवीजन* ने मेनचुका घाटी के अग्रिम मोर्चों पर *मजदूर दिवस* मनाया। इस अवसर पर उन पोर्टरों के समर्पण, सहनशक्ति और अमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि दी गई, जो ऊंचे पहाड़ों वाले दुर्गम इलाकों में सैन्य अभियानों को जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत, पोर्टरों के साथ एक सार्थक बातचीत और चाय-पान का आयोजन किया गया। इस दौरान, दूरदराज के अग्रिम क्षेत्रों तक जरूरी सामान, रसद और साजो-सामान पहुंचाने में उनके कठिन परिश्रम और अटूट सहयोग को सराहा गया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक पोर्टरों ने हिस्सा लिया, जिससे उन्हें आपस में अनौपचारिक बातचीत करने, आभार व्यक्त करने और आपसी विश्वास को मजबूत बनाने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम ने स्थानीय पोर्टरों की उस महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया, जो वे सैन्य अभियानों को सुचारू रूप से चलाने में एक जरूरी कड़ी के तौर पर निभाते हैं-विशेषकर दुर्गम इलाकों और खराब मौसम की परिस्थितियों में। उनका योगदान देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनके साहस, प्रतिबद्धता और निस्वार्थ सेवा को दर्शाता है। इस कार्यक्रम ने सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय सेना और स्थानीय समुदायों के बीच मजबूत रिश्ते को भी और अधिक सुदृढ़ किया। *ऑपरेशन सद्भावना* की भावना के तहत शुरू की गई इस तरह की पहलें जमीनी स्तर पर आपसी सम्मान, सहयोग और नागरिक-सैन्य सौहार्द को बढ़ावा देती रहती हैं। इस कार्यक्रम का समापन पोर्टरों के प्रति आभार और सराहना के संदेश के साथ हुआ, जिसमें उन्हें सीमावर्ती क्षेत्र में सैन्य अभियानों के लिए एक भरोसेमंद *रीढ़ की हड्डी* के रूप में स्वीकार किया गया।

अभामामस की रंगिया शाखा ने श्रमिकों का किया सम्मान

रंगिया (विभास)। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा श्रमिकों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाखा अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शाखा की ओर से श्रमिकों को असम का प्रतीकात्मक ुलाम गामोछा भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें अंगवस्त्र, बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए छाता तथा खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल के साथ सचिव संगीता सिकरिया, मोनिका अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, ममता छित्रका, सुमन अग्रवाल, गुंजन अग्रवाल आदि सदस्याएं उपस्थित रहीं।

कामरूप जिले में मतगणना के संदर्भ में प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशियों के साथ बैठक

रंगिया (विभास)। असम विधानसभा के हुए हाल ही के आम चुनाव (2026) के लिए 4 मई को आयोजित होने वाली मतगणना के संदर्भ में आज कामरूप जिला संयुक्त जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में कामरूप जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों के प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कामरूप जिले के जिला आयुक्त तथा जिला निर्वाचन अधिकारी देव कुमार मिश्र ने की। बैठक में मतगणना प्रक्रिया के विभिन्न व्यवस्थाओं और नीति-निर्देशनों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से प्रवेश व्यवस्था, गणना कक्ष की व्यवस्था, अधिकारियों का नियोजन, सुरक्षा व्यवस्था, पास प्रदान करने आदि के लिए की गई व्यवस्थाओं तथा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों को कठोर रूप से पालन करने संबंधी विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। जिला आयुक्त ने सभी प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों से जिला प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कठोर रूप से पालन करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, सुचारू रूप से तथा शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना सम्पन्न कराने में सहायता करने का आह्वान किया। बैठक में कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, कामरूप जिले के जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त, अतिरिक्त जिला आयुक्त गीताश्री लाचित, आदित्य गोगोई, प्राणजित कुमार देव, विश्वजीत सैकिया, मोनिका बोरगोहांई और शर्मिष्ठा नेऊग, पलाशबाड़ी के सम जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता, बोको-छयगांव के सम जिला आयुक्त प्रियांशु भारद्वाज, कामरूप के निर्वाचन अधिकारी डॉ. भूपाली कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूण्यम पेगू, प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी, उनके प्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

लखीमपुर में वन रेंजर रिश्वत लेते गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। असम के लखीमपुर जिले में तैनात एक वन रेंजर को निदेशालय सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, असम की टीम ने शुक्रवार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लखीमपुर रेंज के वन रेंजर शिबाशीष सांडिल्य (एएफएस) पर आरोप था कि उन्होंने वन उत्पाद ढोने वाले वाहनों को बिना बाधा आवागमन की अनुमति देने के बदले प्रति वाहन प्रति माह 6,000 रुपए की रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत देने से इनकार करते हुए शिकायतकर्ता ने मामले की जानकारी सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को दी, जिसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई और जाल बिछाया गया। निदेशालय की टीम ने 01 मई को लखीमपुर स्थित रेंज कार्यालय परिसर के आधिकारिक आवास में कार्रवाई करते हुए आरोपी को उस समय पकड़ लिया, जब वह शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत की आंशिक राशि 12,000 रुपए स्वीकार कर रहा था।

कोकराझाड़ में 7वां एरी दिवस संपन्न
रेशम उद्योग को विश्व स्तर पर ले जाने का संकल्प

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के रेशम विभाग के तत्वावधान में आज कोकराझाड़ जिले के अदाबारी स्थित *बोड़ोलैंड सिल्क पार्क* में 7वां *एरी दिवस* बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बीटीसी (बीटीसी) क्षेत्र के पारंपरिक रेशम उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करना और एरी पालन से जुड़े स्थानीय बुनकरों व किसानों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम की शुरुआत विभागीय ध्वजारोहण और शहीद तर्पण के साथ हुई। स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना और स्वदेशी रेशम उत्पादन को बढ़ावा देना उद्देश्य है। क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ एरी पालकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महिला सशक्तिकरण और अर्थव्यवस्था पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने असम की अर्थव्यवस्था में एरी रेशम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीटीआर क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एरी उत्पादन, कताई और बुनाई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। विभागीय सूत्रों के अनुसार, बीटीसी सरकार इस *सिल्क पार्क* के माध्यम से भविष्य में स्थानीय कपड़ा उद्योग को एक बड़ा औद्योगिक स्वरूप देने की योजना बना रही है। इससे न केवल पारंपरिक कला का संरक्षण होगा, बल्कि क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के नए मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विभागीय कार्यकारी सदस्य (श्वरू) कर्मेश्वर राय उपस्थित रहे। उनके साथ ही रेशम विभाग की अंशुला बसुमतारी, सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जोगेश देवरी, हीरा मई देवी, पद्मश्री सर्वेश्वर ब्रह्म और निदेशक डॉ. कार्तिक नेओग सहित कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय रेशम पालक मौजूद थे।

बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म की 36वीं पुण्यतिथि : कोकराझाड़ सहित पूरे बीटीआर में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

कोकराझाड़ (विभास)। आज समूचे असम, विशेषकर बोड़ोलैंड क्षेत्रीय क्षेत्र में बोड़ो जाति के महान नेता और बोड़ोफा (बोड़ो जाति के पिता) उपेंद्रनाथ ब्रह्म की 36वीं पुण्यतिथि अत्यंत गरिमामय और भावपूर्ण वातावरण में कोकराझाड़ जिले के दोतामा थूलगापूरी में मनाई गई। इस कार्यकर्म की शुरुआत आब्सू के अध्यक्ष खार्मदाओ वारी ने झंडा फहराह कर किया। इसके बाद यहां बीटीसी के चीफ हग्रामा महिलारी उपस्थित थे यहां स्थित बोड़ोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म के समाधिस्थल में श्रद्धांजलि दिए इसके बाद बोड़ोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म के प्रतिमूर्ति पर फूल अर्पण किए यहां आब्सू के अध्यक्ष खार्मदाओ, बीटीसी के कार्यकारी सदस्य देरहासत बसुमातारी, बीटीआर के पूर्व चीफ, राज्य सभा के सांसद एव यूपीपीएल दल के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो सहित कई बोड़ो नेतायो ने उपेंद्र नाथ ब्रह्म के समाधिस्थल में श्रद्धांजलि दिए इसके बाद बोड़ोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म के प्रतिमूर्ति पर फूल अर्पण किए। कोकराझाड़ सहित विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने इस महान दूरदर्शी नेता के योगदान को याद करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उपेंद्रनाथ ब्रह्म ने बोड़ो समाज को राजनीतिक नैतिकता का पाठ पढ़ाया, जिसका मूल मंत्र निर्भीकता, अटूट संकल्प और अपने समाज के प्रति दूरदर्शी सोच थी। एक मेधावी छात्र के रूप में उन्होंने यह सिद्ध किया कि आर्थिक तंगी कभी भी शिक्षा और लक्ष्यों के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। उनका जीवन संघर्ष और समाज सुधार की एक ऐसी मिसाल है, जिसने बोड़ो जाति को नई दिशा प्रदान की। जिस समय असम की राजनीति में बोड़ो समुदाय अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहा था, उस समय बोड़ोफा ने समाज को एकजुट कर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया। उनके नेतृत्व में बिखरा हुआ बोड़ो समाज अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा की रक्षा के लिए आत्म-निर्णय के मार्ग पर अग्रसर हुआ। आज बीटीआर में जो शांति और विकास दिख रहा है, वह बोड़ोफा के त्याग और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग का ही परिणाम है। उनके विजन के कारण ही केंद्र और राज्य सरकार के साथ तीन 1993 में बीएसी समझौता, 2003 में बीटीसी समझौता (छठी अनुसूची के तहत), 2020 में बीटीआर समझौता हो सके। हालांकि, बीटीआर और बीकेडब्ल्यूएसी के गठन के बावजूद, बोड़ोफा का *पृथक बोड़ोलैंड* का सपना आज भी नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा और अधूरा मिशन बना हुआ है। उनके समाजवादी आदर्श और शोषण मुक्त समाज की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। उपेंद्रनाथ ब्रह्म भले ही आज शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी भावनाएं और विचार हर बोड़ो नागरिक के हृदय में जीवित हैं। दिल्ली से लेकर दिसपुर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक उनका सम्मान अतुलनीय है। एबीएसयू और यूएनबी ट्रस्ट द्वारा दिया जाने वाला *उपेंद्रनाथ ब्रह्म सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी* पुरस्कार उनकी महानता को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करता है। आज के इस विशेष दिन पर बोड़ो नेतृत्व और समाज ने एक बार फिर संकल्प लिया कि वे बोड़ोफा के *जीओ और जीने दो* के नारे को आत्मसात करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करेंगे।

संपादकीय

बंगाल में भाजपा का अनुमान

एग्जिट पोल का पहला, महत्वपूर्ण, परिवर्तनकारी अनुमान यह है कि सात में से पांच पोल्स ने पश्चिम बंगाल में भाजपाई सत्ता का अनुमान लगाया है। विभिन्न एग्जिट पोल्स का सार-रूप पोल यह है कि भाजपा को 166 और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 121 सीटें मिल सकती हैं। बंगाल में 294 सदस्यों की विधानसभा है, लिहाजा सामान्य बहुमत का आंकड़ा 148 माना जाता है। इस बार बंगाल में बंपर मतदान हुआ है। दोनों चरणों में कुल मतदान 92.84 फीसदी हुआ है। अकेले दूसरे चरण में ही 92.48 फीसदी मतदान किया गया। यकीनन यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक मतदान है। कारण जो भी हो, लेकिन ऐसे मतदान के लिए मतदाता ही बधाई और जागृति के पात्र हैं। ऐसे मतदान का निष्कर्ष कुछ भी हो सकता है। उस निष्कर्ष के लिए 4 मई तक का इंतजार करना चाहिए। वैसे हम भारत में एग्जिट पोल को वैज्ञानिक नहीं मानते, क्योंकि बंगाल में मतदान शाम 6 बजे के बाद भी जारी था, लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े अपराहन 3 बजे के आसपास ही टीवी चैनलों को भेज दिए गए। इस तरह मतदाताओं का रुझान कैसे आंका जा सकता है? पोल्स का साइज कितना बड़ा था, कितने मतदाताओं से बातचीत की गई, कितने समय बातचीत हुई, उनके ब्यौरे सार्वजनिक नहीं किए जाते, नतीजतन एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरते रहे हैं। भारतीय राजनीति के संदर्भ में अक्सर एग्जिट पोल अथवा सर्वेक्षण गलत साबित होते रहे हैं। मसलन-2004 में 'भारत उदय' के मुद्दे पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार की बरकरारी के अनुमान लगभग सभी पोल्स ने लगाए गए थे, लेकिन भाजपा 138 सीटों पर ही ठहर गई और 145 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। बाद में यूपीए के बैनर तले 'खिचड़ी सरकार' बनी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा-एनडीए को 415 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की गई थी। भाजपा 240 सीटों पर और कुल एनडीए 293 सीटों पर ही ठहर गए। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और सहयोगी दलों की सरकारें बनने के अनुमान लगाए गए थे, लेकिन तीनों महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा सरकारें बनीं। ओडिशा में भी भाजपा सरकार बनी। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी (अजित पवार) के साथ भाजपा के गठबंधन को नया नाम भी दिया गया-'महायुति'। एग्जिट पोल्स के गलत साबित होने के अनेक उदाहरण हैं, लेकिन हम फिर भी उन्हें न तो खारिज कर रहे हैं और न ही पूरी तरह स्वीकार करने की मनःस्थिति में हैं। बेशक असम में भाजपा, तमिलनाडु में द्रमुक गठबंधन, पुडुचेरी संघशासित क्षेत्र में एनडीए और केरलम में कांग्रेस नेतृत्व के यूडीएफ के सत्ता में आने के आसार पर्याप्त थे, लिहाजा पोल्स के अनुमान भी उन्हीं लाइनों पर हैं। केरलम में बीते 10 साल से वामदलों के एलडीएफ की सरकार थी, लिहाजा अब जनादेश यूडीएफ के पक्ष में स्वाभाविक लग रहा था। हालांकि तमिलनाडु में 'एक्सिस माई इंडिया' ने सुपरस्टार विजय की नवजात पार्टी टीवीके को 98-120 सीटें दी हैं। यानी द्रमुक और अन्नाद्रमुक गठबंधन हार रहे हैं। यह बड़ा असामान्य अनुमान लगता है। तमिलनाडु में सामान्य बहुमत 118 सीट का है। यदि तमिल जनादेश यही रहा और बंगाल का जनमत भाजपाई रहा, तो ये चुनावी नतीजे किसी चमत्कार से कम नहीं होंगे। बंगाल में परिवर्तन की भावनाओं का चुनाव था, तो ममता बनर्जी की 15 साल की सत्ता के बावजूद स्वीकार्यता कम नहीं है। कमोबेश 75-80 फीसदी मुस्लिम वोट, महिलाओं और हिंदुओं का बराबर का समर्थन आज भी 'दीदी' के पक्ष में है। आश्चर्य होता है कि ममता किन क्षेत्रों में इतना हार गई कि सत्ता के बाहर होती लग रही हैं। यदि बंगाल में ऐसा जनादेश सामने आता है, तो 'जनसंघ' के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मस्थली में 'कमल' खिलेगा और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अधूरी ख्वाहिश पूरी होगी।

सात में से पांच पोल्स ने पश्चिम बंगाल में भाजपाई सत्ता का अनुमान लगाया है। विभिन्न एग्जिट पोल्स का सार-रूप पोल यह है कि भाजपा को 166 और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 121 सीटें मिल सकती हैं। बंगाल में 294 सदस्यों की विधानसभा है, लिहाजा सामान्य बहुमत का आंकड़ा 148 माना जाता है। इस बार बंगाल में बंपर मतदान हुआ है। दोनों चरणों में कुल मतदान 92.84 फीसदी हुआ है। अकेले दूसरे चरण में ही 92.48 फीसदी मतदान किया गया। यकीनन यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक मतदान है। कारण जो भी हो, लेकिन ऐसे मतदान के लिए मतदाता ही बधाई और जागृति के पात्र हैं। ऐसे मतदान का निष्कर्ष कुछ भी हो सकता है। उस निष्कर्ष के लिए 4 मई तक का इंतजार करना चाहिए। वैसे हम भारत में एग्जिट पोल को वैज्ञानिक नहीं मानते, क्योंकि बंगाल में मतदान शाम 6 बजे के बाद भी जारी था, लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े अपराहन 3 बजे के आसपास ही टीवी चैनलों को भेज दिए गए। इस तरह मतदाताओं का रुझान कैसे आंका जा सकता है? पोल्स का साइज कितना बड़ा था, कितने मतदाताओं से बातचीत की गई, कितने समय बातचीत हुई, उनके ब्यौरे सार्वजनिक नहीं किए जाते, नतीजतन एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरते रहे हैं। भारतीय राजनीति के संदर्भ में अक्सर एग्जिट पोल अथवा सर्वेक्षण गलत साबित होते रहे हैं।

कुछ अलग

दफ्तर जाने के लिए...

दफ्तर जाने के लिए मुझे बहुत सी तैयारियां करनी पड़ती हैं। आखिर दफ्तर जो जा रहा हूं। दफ्तर जाने का मतलब यह तो है नहीं कि साबुन से नहाओ भी मत या रोजाना शेव भी मत बनाओ। दफ्तर में मेरे कई साथी हैं। वे इसे वेस्टेज मानते हैं। उनका तर्क यह है कि दफ्तर कोई निजी कार्य या सगे सम्बन्धी का काम तो है नहीं, जो रोज एक रुपया का ब्लेड खराब करो, साबुन खराब करो, चेहरे को चमकाने के लिए क्रीम लगाओ, बाल काले करो अथवा मूंछों की करीने से कटाई-छंटाई करो। जबकि मेरा मानना है कि दफ्तर से वेतन मिलता है, घर चलता है और वहां महिलाएं काम करती हैं, इसलिए थोड़ा शऊर से ही जाना चाहिए। कपड़े इस्त्री करे हुए पहनता हूं, यहां तक कि कपड़ों की फैशन का भी मैं पूरा ख्याल रखता हूं। मेरे साथी कहते हैं- 'भाई शर्मा, क्या तुम्हें कोई एक्स्ट्रा इन्क्रीमैंट मिलेगा, जो इतने सज-धज कर आते हो। कभी गणतंत्र दिवस या स्वाधीनता दिवस पर भी अभी तक तो सम्मानित नहीं किए गए। क्यों बेकार में धन का अपव्यय और समय जाया करते हो। इससे बढ़िया तो कोई पार्ट टाइम करते तो समय का सदुपयोग हो।' मैं कहता हूं, 'यारो, क्या मुंह उठाकर सीधे बिस्तर से निकल कर कुर्सी पर आ बैठते हो। कभी मिसेज मलकानी के बारे में भी सोचा है, जो आप लोगों से बात करना तो दूर, पल भर को नजर भरकर भी आप लोगों को देखती तक नहीं। एक मैं हूं जिससे वह घंटों हंस-हंसकर बतियाती हैं।' 'ओह तो शर्मा यह सब मिसेज मलकानी के लिए कर रहे हो। भाभी जी को पता चल गया न तो वे तुम्हारी यह सारी सजावट को तेल लेने भेज देंगी।

आज भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हजारों महिला शिक्षिकाएँ नई पीढ़ी को ज्ञान दे रही

स्त्री को देह से आगे देखने की आवश्यकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएँ केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश भी सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है। कवि ने "मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं" का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आँका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत योगदान दिया है।

समाज की प्रगति केवल इमारतों, तकनीक और आर्थिक विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि वह अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, को किस दृष्टि से देखता है। यदि किसी समाज में स्त्री को केवल उसके रूप, देह या पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाए, तो वह समाज आधा सच देख रहा होता है। प्रस्तुत रचना इसी अधूरे और संकीर्ण दृष्टिकोण पर करारा प्रहार करती है। कवि यह प्रश्न उठाता है कि क्यों स्त्रियों की उपलब्धियों, उनके ज्ञान, श्रम, संघर्ष और आत्मबल को उतनी प्रमुखता नहीं मिलती, जितनी उनके बाहरी स्वरूप को मिलती है। यह प्रश्न केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ प्रश्न है। आज जब दुनिया विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और नेतृत्व के नए आयाम छू रही है, तब महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएँ केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश भी सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है। कवि ने "मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं" का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आँका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत योगदान दिया है। आज भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हजारों महिला शिक्षिकाएँ नई पीढ़ी को ज्ञान दे रही हैं। वे केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ातीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और तर्कशीलता का संस्कार भी देती हैं। फिर भी समाज अक्सर उनके योगदान को सामान्य मानकर अनदेखा कर देता है। इसी प्रकार "परिवार को पालती औरतों" का जिक्र इस रचना का अत्यंत संवेदनशील पक्ष है। घर चलाना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना, आर्थिक जिम्मेदारियों में भागीदारी निभाना—ये सब ऐसे कार्य हैं, जिन्हें समाज लंबे समय तक स्वाभाविक मानता रहा और इन पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई। घर संभालने वाली महिला का श्रम अक्सर अदृश्य माना जाता है। यदि वही श्रम किसी संस्था या नौकरी के रूप में किया जाए, तो उसका मूल्य तय होता है; पर घर के भीतर किए गए श्रम को प्रेम और कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया जाता है। यह सोच बदलने की आवश्यकता है। परिवार की नींव को मजबूत रखने में महिलाओं की भूमिका केंद्रीय होती है, और इसे सम्मानपूर्वक स्वीकार करना समय की मांग है। रचना की सबसे प्रभावशाली बात यह है कि यह केवल शिकायत नहीं करती, बल्कि समाज को आईना दिखाती है। अंतिम

पंक्ति—जो लोग स्त्री को केवल शरीर तक देखते हैं, वे अभागे हैं—बहुत गहरा अर्थ रखती है। यहाँ "अभागे" शब्द केवल आलोचना नहीं, बल्कि दया का भाव भी व्यक्त करता है। ऐसे लोग स्त्री के वास्तविक स्वरूप को समझने की क्षमता से वंचित हैं। वे उसकी संवेदना, बुद्धिमत्ता, सृजनशीलता, संघर्षशीलता और नेतृत्व क्षमता को नहीं देख पाते। वास्तव में वे स्त्री का नहीं, अपनी सोच का नुकसान करते हैं। आज सोशल मीडिया और विज्ञापन की दुनिया में स्त्री की छवि को लेकर अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। अक्सर महिलाओं को आकर्षण की वस्तु बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। उनकी योग्यता से अधिक उनके पहनावे, रूप-रंग और निजी जीवन पर चर्चा होती है। सार्वजनिक जीवन में सफल महिलाओं को भी कई बार उनकी उपलब्धियों से अधिक उनके बाहरी व्यक्तित्व के आधार पर आँका जाता है। यह प्रवृत्ति केवल मनोरंजन जगत तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, खेल, शिक्षा और कॉर्पोरेट जगत में भी दिखाई देती है। यह मानसिकता बदलने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। शिक्षा इस बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। यदि बचपन से लड़कों और लड़कियों दोनों को समानता, सम्मान और संवेदनशीलता का संस्कार दिया जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकती हैं। स्कूलों में ऐसी कहानियाँ, उदाहरण और पाठ होने चाहिए जो महिलाओं की उपलब्धियों को सामने लाएँ। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि स्त्री केवल एक संबंध नहीं, बल्कि स्वतंत्र व्यक्तित्व है। उसकी पहचान उसके सपनों, परिश्रम और उपलब्धियों से बनती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाचार, फिल्में, धारावाहिक और डिजिटल मंच समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। यदि मीडिया महिलाओं को केवल परंपरागत भूमिकाओं या बाहरी आकर्षण तक सीमित दिखाएगा, तो समाज भी उसी दृष्टि को अपनाएगा। इसके विपरीत यदि महिला वैज्ञानिकों, शिक्षिकाओं, उद्यमियों, किसानों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की कहानियों को प्रमुखता दी जाए, तो समाज की चेतना सकारात्मक दिशा में बढ़ेगी। आज आवश्यकता है कि प्रेरक महिला चरित्रों को अधिक स्थान मिले। कार्यस्थलों पर भी महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव जरूरी है। महिला कर्मचारी या अधिकारी को उसकी क्षमता, नेतृत्व और कार्यकुशलता के आधार पर सम्मान मिलना चाहिए, न कि उसके लिंग के आधार पर पूर्वाग्रहों से देखा जाए। समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और अवसरों की समानता केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के मूल तत्व हैं। जब महिलाएँ बिना भेदभाव के काम कर पाएँगी, तभी समाज अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँच सकेगा। परिवार स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है। अक्सर बेटियों को सीमाओं और बेटों को स्वतंत्रता के साथ पाला जाता है। यह अंतर बचपन से ही असमानता को जन्म देता है। यदि परिवार बेटियों को भी सपने देखने, निर्णय लेने और आगे बढ़ने का समान अवसर दें, तो समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव है। साथ ही बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि सम्मान, साझेदारी और संवेदना ही मजबूत रिश्तों की नींव हैं। यह रचना हमें यह भी समझाती है कि स्त्री का सम्मान केवल नारों से नहीं होगा। महिला दिवस पर शुभकामनाएँ देना पर्याप्त नहीं, यदि रोजमर्रा के व्यवहार में भेदभाव बना रहे। सम्मान का अर्थ है—उसकी बात सुनना, उसकी मेहनत को स्वीकार करना, उसके निर्णयों का आदर करना और उसे स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना। यह बदलाव भाषा, व्यवहार, सोच और व्यवस्था—चारों स्तरों पर होना चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब-जब महिलाओं को अवसर मिले हैं, उन्होंने असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। राजनीति से विज्ञान तक, साहित्य से खेल तक, शिक्षा से उद्यमिता तक—हर क्षेत्र में महिलाओं ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। इसलिए यह कहना कि स्त्री किसी क्षेत्र में कमतर है, केवल पूर्वाग्रह है, सत्य नहीं। समाज को चाहिए कि वह महिलाओं को प्रेरणा, नेतृत्व और परिवर्तन की शक्ति के रूप में देखे। रचना की शक्ति इसी में है कि वह सरल शब्दों में गहरी बात कहती है। यह कविता केवल स्त्री की प्रशंसा नहीं करती, बल्कि समाज से प्रश्न पूछती है—क्या हम अब भी स्त्री को आधा देखकर संतुष्ट हैं? क्या हम उसकी उपलब्धियों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? क्या हम उसे बराबरी की दृष्टि से देखने का साहस रखते हैं? ये प्रश्न हर व्यक्ति के सामने खड़े हैं। समय आ गया है कि हम स्त्री को देह से आगे देखें—विचार के रूप में, संघर्ष के रूप में, सृजन के रूप में, नेतृत्व के रूप में और पूर्ण मनुष्य के रूप में। जब समाज यह दृष्टि अपनाएगा, तभी वास्तविक समानता संभव होगी। स्त्री को सीमित देखने वाली मानसिकता जितनी जल्दी बदलेगी, उतनी जल्दी समाज भी आगे बढ़ेगा। क्योंकि स्त्री को सम्मान देना केवल महिला अधिकारों का विषय नहीं, बल्कि सभ्यता की परिपक्वता का प्रमाण है।

देश दुनीया से

आम आदमी पार्टी के विखंडन की दिशा

आम आदमी पार्टी के गठन के पीछे किसकी योजना थी और क्या उद्देश्य था, इसको लेकर उन्हीं दिनों से माथापच्ची हो रही है जब से दिल्ली के रामलीला मैदान में महाराष्ट्र से अन्ना हजारे को लाकर बिठा दिया गया था और तीव्र गति से उसका नेतृत्व अरविंद केजरीवाल ने संभाल लिया था। अनेक उद्देश्यों में से एक उद्देश्य इस भय में से उपजा था कि जिस प्रकार की परिस्थितियां कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार को लेकर बनती जा रही थीं, उससे लगता था कि कांग्रेस की पराजय निश्चित ही थी। असली भय यह था कि कांग्रेस के संभावित पतन से उत्पन्न हुए शून्य को कौनसी राजनीतिक पार्टी भर सकती है। ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही थी कि यह शून्य भारतीय जनता पार्टी भर सकती थी। लेकिन पश्चिम में 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' को लेकर जिस प्रकार की बहस छिड़ चुकी थी, उस वातावरण में यह प्रश्न भी बहस में आने लगा था कि यदि भारत में भाजपा सत्ता के केन्द्र में आ जाती है तो 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' की बहस में भारत भी तीसरा पक्ष बन सकता है। शायद इसीलिए बहुत ही जल्दी में अरविंद केजरीवाल और उनके मित्र मनीष सिसोदिया को मैदान में उतारा गया। निराकार को साकार रूप देने के लिए उसके ऊपर आम आदमी पार्टी का नाम चस्पां कर दिया गया। उन दिनों ये आरोप भी लगे थे कि तुरत फुरत नई पार्टी बनाने और संवारने के लिए किसी एनजीओ के नाम से किसी अमरीकी फाऊंडेशन ने पैसा मुहैया करवाया था। जब चर्चा बहुत चल पड़ी तो केजरीवाल ने कुछ इस प्रकार का खंडन भी किया था कि पैसा वापस कर दिया गया था। केजरीवाल और उसका कद रातों रात बड़ा करना था, इसलिए केजरीवाल ने सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह इत्यादि को ही निशाने पर रखा। मीडिया ने बड़ी मेहनत से हवा बनाना शुरू कर दिया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस का विकल्प आम आदमी पार्टी ही है। यहां यह ध्यान में रखना चाहिए कि जब केजरीवाल और उनके मित्र मनीष सिसोदिया ने आम आदमी पार्टी का रूप धारण करना शुरू कर दिया था तो अन्ना हजारे को भी शक

पड़ने लगा था कि उनका किसी गहरी साजिश में दुरुपयोग किया गया है। वे वापस महाराष्ट्र चले गए थे। यह मानना पड़ेगा कि केजरीवाल और सिसोदिया की रणनीति पहले चरण में तो कामयाब ही रही। दिसंबर 2023 में जब दिल्ली विधानसभा के चुनाव हुए तो आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ दिया। उनकी मुख्यमंत्री शीला दीक्षित केजरीवाल के हाथों पराजित हुई। यह ठीक है कि कोई भी पार्टी बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी। कांग्रेस को केवल 8, भाजपा को 31 और आम आदमी पार्टी को 28 सीटें मिलीं। जिस प्रकार अन्ना हजारे का उपयोग शून्य में से एक नए राजनीतिक दल को आकार देने के लिए किया गया, इसी प्रकार अब कांग्रेस पार्टी का ही उपयोग केजरीवाल का कद बढ़ाने के लिए किया गया। कांग्रेस ने यह आत्मघाती भूल खुद की या किसी के इशारे पर, यह तो इशारे करने वाले या इशारे समझने वाले ही जानें, लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल को दिल्ली में सरकार बनाने के लिए अपने आठ विधायकों का समर्थन दे दिया और केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गए। अब तक केजरीवाल की छवि भ्रष्टाचार के विरोध में एक कट्टर ईमानदार व्यक्ति की बनाई गई थी। लेकिन अब उनको लांच करने के दूसरे चरण पर काम शुरू हो गया। अब उन पर महात्मा का आकार चस्पां करना था। सत्ता के लालच से दूर रहने वाला महापुरुष। सत्ता को ठोकर मार देने वाला महात्मा। इस प्रकार की छवि के लिए सत्याग्रह करना लाजिमी होता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री भरी सर्दी की रात्रि में भी सडक़ पर ही सत्याग्रही की मुद्रा में आ गए। कांग्रेस ने केजरीवाल को समर्थन दिया था। लेकिन केजरीवाल ने दिल्ली की जनता की खातिर कांग्रेस का वह समर्थन वापस कर दिया। मुख्यमंत्री की गद्दी को लात मार दी। विधानसभा भंग हो गई। दरअसल लोकसभा के चुनाव सिर पर आ गए थे। केजरीवाल देश में विकल्प के तौर पर उतरे थे या उतारे गए थे। इसलिए पूरे देश में आकार ग्रहण करने के लिए त्याग के इस अनुपम उदाहरण का प्रदर्शन अनिवार्य था। केजरीवाल की पार्टी ने पूरे देश भर में लोकसभा के लिए अपने प्रत्याशी उतार दिए थे। वे स्वयं वाराणसी में नरेंद्र मोदी के मुकाबले में आ गए थे। कुमार विश्वास को राहुल गांधी के खिलाफ उतारा गया। लेकिन इस समय अमरीका के मीडिया की सक्रियता देखते ही बनती थी। उनका निष्कर्ष था कि आम आदमी पार्टी भारत में कांग्रेस का विकल्प बन कर उभर आई है। अब चिन्ता की जरूरत नहीं है। केवल पंजाब में आम आदमी पार्टी के चार सदस्य चुने गए जिनमें से भगवंत मान भी एक थे। बाकी सारे भारत में अरविंद केजरीवाल समेत सभी की जमानतें जब्त हो गई थीं। चुनाव नतीजों ने बताया कि कांग्रेस का विकल्प भारत के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को माना है। 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' पर माथापच्ची करने वालों के लिए सबसे बड़ी चिन्ता भी यही थी। भाजपा के आने का अर्थ था केन्द्र में सशक्त सरकार का स्थापित ही नहीं हो जाना, बल्कि भारत का पुनः अपने सांस्कृतिक सूत्रों को मजबूत करना। लेकिन कांग्रेस ने जो गलती केजरीवाल को मुख्यमंत्री की पहचान देकर की थी, अब उसके परिणाम आने शुरू हुए। 2015 में दिल्ली विधानसभा के लिए पुनः चुनाव हुए तो कांग्रेस का तो एक भी प्रत्याशी जीत नहीं सका। 70 में से आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीत लीं।

आप का नजरीया

धर्मशाला की पिच पर

चुनावी तख्तियों पर लिखे जाएंगे, आलेख तुम्हारे, तुमने जनता को अभी तक हुक्मरान बन के देखा। यानी शहरी निकाय चुनावों की अदालत में उन नेताओं का मुकदमा शुरू हुआ, जो अब तक सत्ता के सितारे बन कर आकाश में थे। इस बार नगर निगम चुनावों के बहाने कांगड़ा (धर्मशाला व पालमपुर) मंडी व सोलन जिलों में सियासी संगठन और प्रदर्शन सामने आएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने नगर निगम चुनावों में न केवल अपने खास प्रहरी मैदान में उतारे, बल्कि आर पार की मुद्रा में शक्तियों की परख भी होगी। कांग्रेस ने मंडी में विक्रमादित्य, सोलन में रोहित ठाकुर, पालमपुर में राजेश धर्माणी और धर्मशाला में आरएस बाली के सुपुर्द रणनीतिक पासा सौंपा है। भाजपा इसके मुकाबले नगर निगमों में एक साथ कई नेताओं को उतार रही है। मंडी में पायल वैद्य, अनिल शर्मा, इंद्र सिंह गांधी व निहाल चंद तो सोलन में संजीव कटवाल, बलवीर वर्मा, रश्मि धर सूद तथा वंदना योगी के हवाले चुनाव कर रही। उधर कांगड़ा के पालमपुर में विपिन सिंह परमार, राजेश ठाकुर, त्रिलोक कपूर तथा रागिणी तथा धर्मशाला में सुधीर शर्मा, पवन काजल और सचिन शर्मा के हाथों में कमान सौंप रही है। निगम चुनावों की चौपाल थोड़ी बड़ी तथा विधानसभा क्षेत्रों की पड़ताल के नजदीक है, इसलिए कांग्रेस के मंत्रियों को कई विभागों के रिपोर्ट कार्ड दिखाने पड़ेंगे। यह कोई सिक्का उछालने का ही सबब नहीं, बल्कि रणनीतिक कौशल है जिसके धुरव में कांग्रेस और भाजपा के बीच पगडियां उछलेंगी। विडंबना यह है कि इन चारों नगर निगमों के किसी भी पूर्व महापौर के हाथों में स्वतंत्र कमान न देकर पार्टियां अपने स्थापित नेताओं के हाथ में बागडोर थमा रही हैं। यानी बड़ी राजनीति के छोटे से किरदार में नगर प्रशासन की जान फंसी है। खैर यह तो वक्त, उम्मीदवारों का चयन, मुद्दों की फेहरिस्त और स्थानीय नेताओं की पहचान बताएगी कि हमारे शहर अपने सुशासन के लिए किस पर भरोसा करते हैं। शिमला के बाद राजनीतिक परिपक्वता तथा नगर निगम चुनावों के दौर देख चुका धर्मशाला शहर पूरी सियासत को भी कुछ सबक दे सकता। सबक तो पालमपुर, मंडी व सोलन के भी महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन धर्मशाला के कई हिसाब बाकी हैं। यह इसलिए भी कि कांग्रेस ने पहली बार के विधायक और पूर्व मंत्री स्व.जीएस बाली की सलतनत पर उनके पुत्र आरएस बाली को बैठाया है। यह कोई कोरे कागज पर दस्तखत नहीं, लेकिन कांग्रेस से भाजपा में समाए पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा के लिए भी हिसाब बराबर करने का मौका है यानी धर्मशाला में सुधीर बनाम छोटे बाली होने वाला है। जाहिर है बाली को ऐसे कई प्रश्नों के जवाब देने पड़ेंगे जिनके नाखून लंबे हो चुके हैं। सर्वप्रथम जिस शहर की हवाओं में आरएस बाली अपने नेतृत्व की पीठ ठोंकते-ठोंकते मरणासन्न की स्थिति तक पहुंचे बस स्टैंड का नामाकरण अपने स्व. पिता जी के आदर्शों को सौंप देते हैं, उस बस अड्डे के निर्माण की न विधि सामने आई और न ही इस दक्षता से वह कुछ कर पाए। ऐसे ही कांगड़ा को पर्यटन कैपिटल बनाने के दावों के बीच कानवेंशन सेंटर के शिलालेख उजड़ गए। वैसे सबसे बड़ा मुद्दा तो केंद्रीय विश्वविद्यालय के परिसर का है। हालांकि इसकी परिधि में जदरांगल का ग्रामीण क्षेत्र आता है, लेकिन स्मार्ट सिटी के नाम पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंजीकृत पते पर हुई चोट दर्द बयां करती है। मुद्दे तो बरसात के दरकते मकलोडगंज मार्ग पर खड़े हैं और डल झील के साथ रिस रहे हैं। बहरहाल यह मुकाबला रोचक होने वाला है क्योंकि सरकार में कांगड़ा के सारे सियासी प्रोत्साहन जिस पहली टर्म के विधायक को मिले, उससे पूछा जाएगा आपने धर्मशाला की स्मार्ट सिटी के रंग रोगन के लिए क्या किया।

मंडी व सोलन जिलों में सियासी संगठन और प्रदर्शन सामने आएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने नगर निगम चुनावों में न केवल अपने खास प्रहरी मैदान में उतारे, बल्कि आर पार की मुद्रा में शक्तियों की परख भी होगी। कांग्रेस ने मंडी में विक्रमादित्य, सोलन में रोहित ठाकुर, पालमपुर में राजेश धर्माणी और धर्मशाला में आरएस बाली के सुपुर्द रणनीतिक पासा सौंपा है। भाजपा इसके मुकाबले नगर निगमों में एक साथ कई नेताओं को उतार रही है। मंडी में पायल वैद्य, अनिल शर्मा, इंद्र सिंह गांधी व निहाल चंद तो सोलन में संजीव कटवाल, बलवीर वर्मा, रश्मि धर सूद तथा वंदना योगी के हवाले चुनाव कर रही। उधर कांगड़ा के पालमपुर में विपिन सिंह परमार, राजेश ठाकुर, त्रिलोक कपूर तथा रागिणी तथा धर्मशाला में सुधीर शर्मा, पवन काजल और सचिन शर्मा के हाथों में कमान सौंप रही है। निगम चुनावों की चौपाल थोड़ी बड़ी तथा विधानसभा क्षेत्रों की पड़ताल के नजदीक है, इसलिए कांग्रेस के मंत्रियों को कई विभागों के रिपोर्ट कार्ड दिखाने पड़ेंगे। यह कोई सिक्का उछालने का ही सबब नहीं, बल्कि रणनीतिक कौशल है जिसके धुरव में कांग्रेस और भाजपा के बीच पगडियां उछलेंगी। विडंबना यह है कि इन चारों नगर निगमों के किसी भी पूर्व महापौर के हाथों में स्वतंत्र कमान न देकर पार्टियां अपने स्थापित नेताओं के हाथ में बागडोर थमा रही हैं। यानी बड़ी राजनीति के छोटे से किरदार में नगर प्रशासन की जान फंसी है।

दृष्टि कोण

उच्च शिक्षा में 'मार्केट फॉर लेमन्स'

भारत में उच्च शिक्षा का तीव्र विस्तार अवसरों के साथ-साथ गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आया है। एक ओर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्न उठ रहे हैं। ऐसे समय में अर्थशास्त्री जॉर्ज अकेलॉफ का 'मार्केट फॉर लेमन्स' सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देता है। इस सिद्धांत के अनुसार जब उपभोक्ता को किसी वस्तु की वास्तविक गुणवत्ता की सही जानकारी नहीं होती, तब निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बाजार पर हावी हो जाते हैं और अच्छे उत्पाद पीछे हट जाते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थी उपभोक्ता हैं और संस्थान सेवा प्रदाता। जब विद्यार्थियों को संस्थानों की वास्तविक स्थिति, शिक्षकों की गुणवत्ता, रोजगार संभावनाओं, शोध कार्य और आधारभूत सुविधाओं की सही जानकारी नहीं मिलती, तब वे कमजोर संस्थानों में प्रवेश लेने को विवश हो जाते हैं। भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार मुख्य रूप से नीतिगत प्रयासों के कारण हुआ है। नई शिक्षा नीति ने उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने, दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहन देने, ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने पर बल दिया। इससे शिक्षा तक पहुँच बढ़ी और अधिक विद्यार्थियों को अवसर मिला, परंतु संस्थानों की गुणवत्ता उसी गति से विकसित नहीं हो सकी। अनेक निजी संस्थान आकर्षक विज्ञापन, भव्य परिसर और बड़े-बड़े दावे करके विद्यार्थियों को अपनी ओर खींचते हैं, जबकि वास्तविकता में वहाँ योग्य शिक्षक, शोध वातावरण और रोजगारपरक शिक्षा का अभाव होता है। सरकारी आँकड़े भी अक्सर विलंब से आते हैं या सामान्य लोगों की समझ से परे जटिल रूप में उपलब्ध होते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थी और अभिभावक सही निर्णय नहीं ले पाते। यही स्थिति निम्न गुणवत्ता वाले शिक्षा बाजार को जन्म देती है। इसी समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग

व्यवस्था प्रारंभ की। इसका उद्देश्य देश के उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन निश्चित मानकों के आधार पर करना है। इसमें शिक्षण व्यवस्था, संसाधन, शोध कार्य, स्नातक परिणाम, समावेशन और प्रतिष्ठा जैसे पहलुओं को देखा जाता है। इस व्यवस्था ने पहली बार विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच दिया जहाँ वे विभिन्न संस्थानों की तुलनात्मक स्थिति जान सकते हैं। इससे संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी और अनेक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों ने शिक्षकों की नियुक्ति, शोध प्रकाशनों, रोजगार सहायता केंद्रों और आधारभूत सुविधाओं में सुधार करना प्रारंभ किया। इस रैंकिंग व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने उच्च शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता के संकेत उपलब्ध कराए। अब विद्यार्थी केवल विज्ञापनों या प्रचार सामग्री पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि संस्थान की स्थिति, शोध प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम और समावेशन जैसी जानकारियों को देखकर निर्णय ले सकते हैं। इससे सूचना के अभाव की समस्या में कुछ कमी आई है। सरकार के लिए भी यह एक महत्त्वपूर्ण नीति उपकरण सिद्ध हुआ है, जिसके माध्यम से विभिन्न संस्थानों की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन संभव हुआ है। फिर भी यह व्यवस्था पूर्ण समाधान नहीं है। इसकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह काफी हद तक संस्थानों द्वारा स्वयं दिए गए आँकड़ों पर आधारित रहती है। यदि कोई संस्थान गलत या बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दे, तो रैंकिंग की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। दूसरा, शोध कार्य को अधिक महत्व मिलने से वे महाविद्यालय पीछे रह जाते हैं जो मुख्य रूप से शिक्षण पर केंद्रित हैं।

राजस्थान के युवा मेहनत, नवाचार और बहुभाषी कौशल से वैश्विक अवसरों के लिए तैयार : केंद्रीय शिक्षा मंत्री

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राजस्थान के युवाओं में मेहनत, नवाचार, उद्यमिता और विविध भाषाओं एवं संस्कृतियों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का युवा अब केवल डिग्री और प्रमाणपत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि कौशल विकास, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और बहुआयामी अवसरों की ओर अग्रसर हो रहा है। जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में शुक्रवार को आयोजित विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम के एमओयू समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा को बहुभाषी, आधुनिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस नीति के तहत युवाओं को मातृभाषा के साथ-साथ विदेशी भाषाओं का ज्ञान देकर उन्हें विश्वस्तरीय अवसरों के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और वैश्विक समझ को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियन और स्पेनिश जैसी भाषाओं का अध्ययन युवाओं के लिए रोजगार, व्यापार, तकनीकी सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के नए द्वार खोलेगा। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और एशियाई देशों के साथ बढ़ते आर्थिक संबंधों के चलते विदेशी भाषा दक्षता रखने वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी। जापान, कोरिया और यूरोपीय देशों में न केवल सॉफ्टवेयर, बल्कि हार्ड ट्रेड, तकनीकी सेवाओं, मार्केटिंग और आतिथ्य क्षेत्र में भी भारतीय युवाओं के लिए व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यदि राजस्थान के युवा विदेशी भाषाओं में दक्ष होते हैं, तो वे पर्यटन, होटल प्रबंधन, ट्रैवल इंडस्ट्री, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक सेवा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विदेशी भाषा ज्ञान से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककथाएं और ऐतिहासिक गौरव भी वैश्विक स्तर तक पहुंचेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भविष्य में पृथ्वीराज चौहान जैसी वीर गाथाएं विदेशी भाषाओं में अनूदित होकर विश्वभर में राजस्थान की पहचान मजबूत करेंगी। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि यह पहल भारतीय युवाओं के कौशल को वैश्विक मंच प्रदान करेगी और अंतर्राष्ट्रीय अवसरों के द्वार खोलेगी। विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम को राजस्थान के युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा, बेहतर रोजगार, उद्यमिता और सांस्कृतिक विस्तार से जोड़ने वाली ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है, जिससे प्रदेश की युवा शक्ति को नई दिशा और नई पहचान मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने युवाओं को पेपरलीक जैसी समस्याओं से मुक्त कर पारदर्शी भर्ती व्यवस्था स्थापित की है। उन्होंने बताया कि अब तक 351 परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को रोजगार और कौशल से जोड़ते हुए युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बना रही है। राज्य सरकार ने इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी और नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉरपोरेशन सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौते किए हैं। इसके माध्यम से युवाओं को विदेशी भाषाओं में प्रशिक्षण, स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर जयपुर की स्थापना तथा उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 71 नए राजकीय महाविद्यालय खोले गए हैं, 185 नए कॉलेज भवनों का निर्माण हुआ है, सवा लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं तथा लाखों रोजगार अवसर सृजित किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि यह एमओयू केवल कागजी समझौता नहीं बल्कि हमारे युवाओं को अवसरों से जोड़ने का सशक्त एवं प्रभावी माध्यम है। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्यमंत्री केके विश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं की प्रतिभा को निखारा जा रहा है। इस अवसर पर राज्य सरकार तथा इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के मध्य विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम के लिए एवं स्किल इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर जयपुर की स्थापना के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मध्य एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही, नेशनल एन्टरप्रेन्योर एम्पावरमेंट ड्राइव के अन्तर्गत भी विभिन्न एमओयू संपादित हुए। इससे पहले इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी के जर्नल का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं से संवाद भी किया। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा सचिव डॉ. विनीत जोशी, शिक्षाविद् सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। वहीं, वीसी एवं माय भारत पोर्टल के माध्यम से प्रदेशभर के युवा जुड़े।

पंजाब विधानसभा में भगवंत मान सरकार ने हासिल किया विश्वास मत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को विधानसभा में फिर से विश्वास का मत हासिल कर लिया। विश्वास मत पर मतदान के दौरान सदन में विपक्षी दल कांग्रेस, अकाली दल तथा भाजपा के विधायक मौजूद नहीं थे। पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी के कुल 94 विधायक हैं, जिसमें से 88 विधायकों ने वोट डाला। चार विधायक सदन में नहीं थे। दो विधायक जेल में होने के कारण वोट नहीं डाल सके। शुक्रवार को बाद दोपहर सदन की कार्रवाई शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सदन में प्रस्ताव पेश किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान के प्रस्ताव का वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने समर्थन किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से अफवाहें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि कोई 35 तो कोई 25 विधायकों के संपर्क में होने की बात कर रहा है। मान ने कहा कि सफाई करते समय झाड़ू से कमजोर तिनके निकल जाते हैं, लेकिन झाड़ू बेहतर तरीके से सफाई करती है। प्रस्ताव के समापन पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी का लगातार विस्तार हो रहा है। गुजरात में निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी को सर्वाधिक बहुमत मिला है। उन्होंने कहा कि आज के प्रस्ताव की कॉपी 5 मई को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को सौंपी जाएगी। वह अपने साथ सभी विधायकों को लेकर जाएंगे। इस बारे में राष्ट्रपति को बताया जाएगा कि विधायकों ने राज्य सभा सांसदों को चुना है। सभी विधायक आप के साथ हैं।

सीएम भगवंत मान ने पंजाब में न्यूनतम मजदूरी में 15 फीसदी बढ़ोतरी का एलान किया

चंडीगढ़ (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर शुक्रवार को पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब में न्यूनतम मजदूरी दरों में 15 प्रतिशत तक की वृद्धि करने का एलान किया है। विधानसभा में श्रम मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने शुक्रवार को विधानसभा में पूरे राज्य के मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी की दरों में संशोधन और वृद्धि संबंधी एक प्रस्ताव पेश किया। जिसे सत्र के दौरान सर्वसम्मति से पारित किया गया। मंत्री ने मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी की बेसिक दरों में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का धन्यवाद भी किया। प्रस्ताव पेश करते हुए श्रम मंत्री ने बताया कि देश, समाज और अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले मजदूरों के बहुमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि देने के लिए लगभग 69 वर्षों के बाद 1 मई को ऐसा ऐतिहासिक सत्र बुलाया गया है। वर्तमान मजदूरी संरचना की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए मंत्री ने सदन को बताया कि पंजाब में न्यूनतम मजदूरी की बेसिक दरें आखिरी बार 2012 में संशोधित की गई थीं और अब मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मजदूरों को यह अत्यंत आवश्यक राहत प्रदान करने का फैसला किया है। इस प्रस्ताव पर कैबिनेट मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, श्री लाल चंद कटारूचक्क, विधायक प्रिंसिपल बुद्ध राम, लाभ सिंह उगोके, सरवजीत कौर मानूके समेत अन्य सदस्यों ने विचार-विमर्श में भाग लिया।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बेअदबी कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर उठाए सवाल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा में पारित किए गए *जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026* को चुनौती देने वाली याचिका पर पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने सवाल खड़े किए हैं। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई तक स्थगित कर दी। उच्च न्यायालय में शुक्रवार को याचिकाकर्ता की वैधता, उसके प्रतिनिधित्व और एंग्लिकन चर्च ऑफ इंडिया के भीतर वास्तविक प्राधिकरण पर सवाल उठाए। एंग्लिकन चर्च आफ इंडिया की ओर से दाखिल याचिका में दावा किया गया कि 2008 के मूल कानून और 2026 के संशोधन के जरिए पंजाब सरकार ने एक विशेष धार्मिक ग्रंथ को विशिष्ट कानूनी संरक्षण देकर संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 26 का उल्लंघन किया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र पोस्ट मामले में थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

अजमेर (हिंस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लेकर सोशल मीडिया पर डाली गई भाषाई रूप से कथित अमर्यादित पोस्ट मामले में जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने गंज थाना प्रभारी महावीर सिंह, हेड कांस्टेबल मुकेश और कांस्टेबल उदय को लाइन हाजिर कर दिया है। कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ता पीयूष सुराणा को गंज थाना पुलिस ने एक दिन पूर्व शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। आरोपित के पुलिस अभिरक्षा में पुलिस थाने में रहते हुए भाजपा के महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा आरोपित पर काली स्याही फेंक दी और मुंह पर पोत दी थी। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे के खिलाफ मुकदमें दर्ज हो गए हैं और जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ को सौंपी गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ ने मीडिया को बताया कि इस मामले को जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने गंभीरता से लिया है। गंज थाना पुलिस की ओर से आरोपित की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करने की लापरवाही को देखते हुए गंज थाना प्रभारी, ड्यूटी ऑफिसर और संतरी को तुरंत ही लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामले में सभी तथ्यों की गंभीरता से जांच की जा रही है। इस मामले में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी ने बयान दिया कि आरोपित का कृत्य क्षमा योग्य नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्हें कहे जाने के बाद भी उन्होंने आठ घंटे तक पोस्ट को बनाए रखा जब उन्हें कानूनी कार्रवाई की धमकी दी तो उस पोस्ट को हटाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसे लोगों के खिलाफ संज्ञान लेना चाहिए। वैश्य समाज की महिला पर अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करना पूरी नारी शक्ति का अपमान है, निंदनीय है। भाजपा की ओर से भाजपा सोशल मीडिया संयोजक विक्रम सिंह ने पुलिस में पीयूष सुराणा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। राजस्थान में भाजपा राज के चलते इस मामले में तुरंत ही सुनवाई भी हुई और पुलिस ने सुराणा को शांति भंग के आरोप में पकड़कर पुलिस थाने लाकर बैठा दिया। पुलिस इस मामले में सच्चाई का पता लगाएं कि क्या वाकई सुराणा का फेसबुक अकाउंट किसी ने हैक कर उनके नाम से फर्जी पोस्ट डाली है इस बीच ही भाजपाइयों ने अपना आपा खो दिया और थाने में घुसकर पुलिस अभिरक्षा में आरोपित से हाथापाई का प्रयास किया गया और कालिख पोतने की घटना को अंजाम दे डाला।

जिसकी कुलदेवी है, वह हिंदू है : सांसद डॉ. रावत

आबूरोड (हिंस)। उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने आह्वान किया है कि हम सभी यदि अपनी-अपनी कुलदेवियों के इतिहास को खोजेंगे तब सामने आएगा कि जो आज अलग-अलग जाति में परिभाषित हैं, उनमें कई की कुलदेवियां समान हैं और हम सभी की जड़ें एक हैं। यह खोज भारतवर्ष के सम्पूर्ण समाज के एकात्म स्वरूप को स्वत: प्रतिपादित कर देगी। सांसद शुक्रवार को यहां आबूरोड में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय तथा सभ्यता अध्ययन केंद्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। *भारत की क्षात्र परंपरा* विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में सांसद डॉ. रावत ने कहा कि जिसकी भी कुलदेवी हैं, वह हिंदू है। जनजाति समाज के कटारा गौत्र की कुलदेवी धराल माता है, जिसका अर्थ जो यहां पधारीं और बिराजीं। उनका मूल नाडोल में है जो चौहानों की कुलदेवी भी हैं। ऐसे ही कई जाति-समाज एवं आदिवासी समाज हैं जिनकी कुलदेवियां समान हैं। जब यह पुनर्खोज और पुनर्व्याख्या होगी तब देश के समाजों में स्वत: एकात्म भाव जाग्रत होगा। उद्घाटन सत्र में विशेष अतिथि शांतिवन के प्रबंधक बीके जगदीश भाई ने कहा कि जैसे जैसे हम आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं शिष्टाचार और आध्यात्मिकता से दूर होते जा रहे हैं। भ्रष्टाचार, दुराचार, पापाचार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमनें स्वयं को पहचानने का प्रयास बंद कर दिया है। जाति-प्रांत में बंट रहे है। हम स्वयं अर्थात आत्मा को पहचानने का प्रयास करें, सभी में एक ही तत्व प्रकट होगा। विशिष्ट अतिथि जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ साहित्य संस्थान के निदेशक डॉ. जीवन सिंह खरकवाल ने आबू अचलगढ़ क्षेत्र में प्राचीन चंद्रावती नगरी के उत्खनन पर प्रकाश डाला। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत सभ्यता अध्ययन केंद्र राजस्थान चैप्टर के संयोजक मनोज जोशी ने किया। विषय प्रवर्तन व संचालन सभ्यता अध्ययन केंद्र के निदेशक श्री रवि शंकर ने किया तथा आभार सह निदेशक डॉ. विवेक भटनागर ने ज्ञापित किया। इसके पश्चात दिन भर चले तीन सत्रों में वरिष्ठ इतिहासविद डॉ. प्रताप सिंह तलावदा, प्रताप गौरव केंद्र के निदेशक अनुराग सक्सेना, डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, अखिलेश शर्मा, बलबीर सिंह चौहान, डॉ. सूरज राव, डॉ. ओमेन्द्र रत्नू, प्रियरंजन प्रसाद सिंह, लव वर्मा, कौशल मुंदड़ा आदि ने विचार प्रस्तुत किए। गोष्ठी में इतिहासविदों ने भारत के प्राचीन गौरवमयी इतिहास को सटीक रूप से नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए इतिहास पुनर्लेखन आयोग के गठन तथा स्कूली पाठ्यक्रम की पुस्तकों में भी बदलाव की आवश्यकता जाहिर की।

पंजाब में बेअदबी कानून बनने के बाद पहली एफआईआर दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में बेअदबी कानून के तहत शुक्रवार को पहला मामला दर्ज किया गया है। पंजाब सरकार ने 13 अप्रैल को बैसाखी के अवसर पर विधानसभा में *जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026* पास किया था। करीब एक सप्ताह बाद राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने इसे मंजूरी दी थी, जिसके बाद पंजाब सरकार की तरफ से इस संबंध में अधिसूचना जारी की जा चुकी है। यह कानून लागू होने के बाद शुक्रवार को मुक्तसर साहिब जिले के कस्बा मलोट में पहली एफआईआर दर्ज की गई है। मलोट के वार्ड नंबर 10 में श्री गुटका साहिब के फटे हुए अंग मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। डीएसपी हरजीत सिंह ने बताया कि वार्ड नंबर 10 की एक गली में ये फटे पन्ने मिले हैं। सिख संगत ने इन पन्नों को पास के गुरुद्वारा साहिब पहुंचाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल ने लोक भवन से की डिजिटल जनगणना अभियान की शुरुआत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में जनगणना-2027 की प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ शुक्रवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने लोक भवन में स्व-गणना के माध्यम से किया। इसके साथ ही प्रदेशभर में जनगणना गतिविधियों के प्रथम चरण की आधिकारिक शुरुआत हो गई। राज्यपाल ने स्वयं डिजिटल पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रीय अभियान में भागीदारी निभाई और नागरिकों को भी स्व-गणना के जरिए जनगणना प्रक्रिया से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है और प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी देश के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने नागरिकों से स्व-गणना के माध्यम से सटीक, पूर्ण एवं सही जानकारी प्रदान करने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा तैयार किया गया जनगणना वेब पोर्टल सरल, सुरक्षित और उपयोगकर्ता अनुकूल है, जिससे आमजन बिना किसी कठिनाई के अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। उन्होंने युवाओं, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग में अन्य लोगों की सहायता करें, ताकि कोई भी व्यक्ति इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि *जनगणना-2027* के इस पवित्र कार्य में जनसहभागिता ही राष्ट्र के विकास में जनता की प्रत्यक्ष भागीदारी है। साथ ही उन्होंने लोगों से गणनाकर्मियों का सहयोग करने, सही जानकारी देने तथा किसी भी शंका की स्थिति में हेल्पलाइन से संपर्क करने का आह्वान किया। जनगणना निदेशक विष्णुचरण मलिक ने बताया कि 1 मई से 15 मई 2026 तक नागरिक वेब पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इसके बाद घर-घर जाकर जनगणना सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। नागरिक अपने मोबाइल नंबर और आवश्यक विवरण के माध्यम से आधिकारिक पोर्टल पर लॉग इन कर अपने परिवार की जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज कर सकते हैं।

डायन बताकर हत्या के मामले में आठ को आजीवन कारावास

नवादा (हिंस)। नवादा के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशुतोष कुमार खेतान ने डायन बता कर हत्याकांड को अंजाम देने के मामले का निपटारा करते हुए 8 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी अभियुक्तों को पांच -पांच हजार रुपए की अर्थ दंड की भी सजा सुनाई गई। न्यायालय सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि वर्ष 2019 को नवादा जिले के गोविंदपुर थाना के कोयलियागढ़ गांव में मरनी देवी नामक महिला की डायन बता कर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। महिला को बाल काटकर गांव में भी नग्न करके घुमाया गया था। सिविल कोर्ट में कार्यरत वरीय अपर लोक अभियोजक ईश्वरी प्रसाद शर्मा की धारदार साक्ष्यपूर्ण बहस को स्वीकार करते हुए न्यायाधीश आशुतोष कुमार खेतान ने सभी अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा है कि डायन बता कर पिटाई कर हत्या करना एक बहुत बड़े सामाजिक कुरीतियों को अंजाम देना है। जिसे किसी भी कीमत पर माफ नहीं किया जा सकता। अगर इस तरह के गुनाहगारों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी जाएगी, तो समझ में अराजक माहौल पैदा हो जाएगा। गवाहों के बयानातो तथा पुलिस रिपोर्ट से मिले ठोस सबूतों के आधार पर न्यायाधीश ने नरेश मांझी, बिरजू मांझी, कारु मांझी, तुलसी मांझी, त्रिलोकी मांझी, पूना मांझी, राजेश मांझी तथा सुरेश मांझी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी अभियुक्तों को पांच -पांच हजार रुपए हत्याकांड के विरुद्ध तथा दो-दो हजार रुपए डायन अधिनियम के तहत किए गए अपराध के लिए अर्थ दंड की सजा सुनाई गई। इस मामले में अपर लोक अभियोजक श्री शर्मा ने ठोस सबूत प्रस्तुत किया। जिसकी काफी तारीफ की जा रही है।

मजदूर दिवस पर भाकपा माले ने मजदूर-किसान एकता और जन प्रतिरोध का किया आह्वान

सुपौल (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर त्रिवेणीगंज विज्ञान महाविद्यालय परिसर में भाकपा माले लिबरेशन द्वारा एक संगठित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मजदूर आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई, जिसके बाद एक विचार सभा आयोजित हुई। सभा को संबोधित करते हुए जिला सचिव जयनारायण यादव ने मई दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन संघर्ष, बलिदान और एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने 1886 के शिकागो मजदूर आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी संघर्ष के परिणामस्वरूप मजदूरों को 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे मनोरंजन का अधिकार मिला, जो आज भी श्रमिक अधिकारों की आधारशिला है। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ती आर्थिक असमानता, श्रमिक अधिकारों पर हो रहे हमलों और कॉरपोरेट प्रभाव को लेकर चिंता जताई तथा मजदूरों से संगठित होकर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। साथ ही बिहार में जनहित के मुद्दों पर व्यापक जन प्रतिरोध खड़ा करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान उन्होंने पार्टी के 12वें बिहार राज्य सम्मेलन, जो 16 से 18 मई 2026 तक लहेरियासराय दरभंगा में प्रस्तावित है, को सफल बनाने की अपील भी की। सभा को संबोधित करते हुए किसान महासभा के नेता अच्छे लाल मेहता ने मजदूर-किसान एकता को देश की असली ताकत बताते हुए कहा कि बिना इस एकता के सामाजिक न्याय और बराबरी की कल्पना अधूरी है। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी और कृषि संकट के मौजूदा दौर में संयुक्त संघर्ष को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। खेग्रामस जिला सचिव सह प्रखंड सचिव जन्मजय राई ने कहा कि मजदूरों के अथक परिश्रम से ही समाज और अर्थव्यवस्था संचालित होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लागू किए गए चार लेबर कोड का जिक्र करते हुए कहा कि इन पर देशभर में चर्चा जारी है और मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए सजग रहना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने मजदूरों के अधिकार, सम्मान और सामाजिक न्याय की लड़ाई को और तेज करने का संकल्प लिया। सभा के दौरान *मजदूर एकता जिंदाबाद* और *मई दिवस अमर रहे* जैसे नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

बैशाख पूर्णिमा पर विंध्यधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, भीषण गर्मी में डटे रहे श्रद्धालु

मीरजापुर (हिंस)। बैशाख पूर्णिमा पर मीरजापुर के मां विंध्यवासिनी धाम में शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर-दराज से पहुंचे भक्तों ने भोर में गंगा स्नान कर जयकारों के बीच मां के दर्शन-पूजन किए। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में बच्चों का मुंडन संस्कार भी संपन्न कराया गया। भीड़ के चलते मंदिर के नंबर-2 गेट (न्यू वीआईपी गेट) पर लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं को तेज धूप में घंटों इंतजार करना पड़ा। लाइन की धीमी रफ्तार और विशेष लाइन की भीड़ के कारण सामान्य दर्शनार्थियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। भीषण गर्मी के कारण छोटे बच्चे बिलखते दिखे, वहीं बुजुर्गों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मंदिर मार्गों और वाहन स्टैंडों पर भी भीड़ के चलते आवागमन प्रभावित रहा। श्रद्धालुओं ने प्रशासन से बेहतर व्यवस्था और सुचारु दर्शन की मांग की है।

महंगा हुआ कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर, दिल्ली में मिलेगा 3,071.50 रुपये का

नई दिल्ली

देश की सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। हालांकि ये बढ़ोतरी सिर्फ कमर्शियल सिलेंडर यानी 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर में ही की गई है। कमर्शियल सिलेंडर के भाव में लगभग एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। राहत की बात है कि इस बढ़ोतरी से 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर को बाहर रखा गया है। अब कमर्शियल सिलेंडर देश की राजधानी दिल्ली में 993 रुपये, मुंबई में 993 रुपये, चेन्नई में 990.50 रुपये और कोलकाता में 994 रुपये महंगा हो गया है।

सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) के अनुसार, कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में की गई बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2,078.50 रुपये से बढ़ कर 3,071.50 रुपये हो गई है। इसी तरह कोलकाता में इसकी कीमत 2,208 रुपये से बढ़ कर अब 3,202 रुपये हो गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर 2,031 रुपये की जगह 3,024 रुपये में मिलेगा, जबकि चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2,246.50 रुपये से बढ़ा कर 3,237 रुपये कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और अन्य व्यावसायिक संस्थानों में इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव पिछले पांच महीनों में छठी बार बढ़े हैं। इससे पहले एक अप्रैल को ये 218 रुपये तक महंगा हुआ था। वहीं मार्च में इसकी कीमत में दो बार बढ़ोतरी की गई। एक मार्च को इसकी कीमत 28 रुपये तक बढ़ी थी, जबकि सात मार्च को यह 114.5 रुपये महंगा हुआ था।

इसी तरह फरवरी में इसके दाम में 49 रुपये और जनवरी में 111 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि दिसंबर 2025 में 19 किलोग्राम के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की गई थी। राहत की बात ये है कि घर की रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भाव में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में सात मार्च 2026 को 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। आईओसी के अनुसार बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत वर्तमान में दिल्ली में 913 रुपये है। मुंबई में इसकी कीमत 912.50 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये है। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने के लिए गैस सिलेंडर की डिलीवरी आथेंटिकेशन कोड सिस्टम को और सख्त कर दिया गया है। अब उपभोक्ता को सिलेंडर की डिलीवरी तभी की जाएगी, जब वो अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को दिखाएगा। ओटीपी दिखाए बिना गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जाएगी। कहा गया है कि अगर किसी उपभोक्ता का मोबाइल नंबर गैस एजेंसी के पास अपडेट नहीं है, तो वो गैस डिलीवरी वाले ऐप के जरिए रियल टाइम में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

जगुआर लैंड रोवर ने 1.70 लाख हाइब्रिड कारों को किया रिकाल

नई दिल्ली। अमेरिका में लग्जरी कार निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर ने अपनी लगभग 1.70 लाख हाइब्रिड कारों को वापस बुलाने (रिकाल) का फैसला किया है। गंभीर तकनीकी खराबी के कारण कंपनी ने यह कदम उठाया गया है। अगर इस समस्या को समय रहते ठीक नही किया गया तो सड़क पर बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बढ़ सकता है। सबसे डराने वाली बात यह है कि खराबी आने पर कार का इंजन, लाइट और यहां तक कि एयर कंडीशनिंग भी काम करना बंद कर देते हैं। इस खराबी के दौरान कार चालक को स्क्रीन पर एक चेतावनी मिलती है जिसमें स्टाप सेफली इलेक्ट्रिक फाल्ट डिटेक्टेड लिखा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर ड्राइवर इस चेतावनी को नजरअंदाज कर गाड़ी चलाता रहता है, तो कार अपने आप न्यूट्रल गियर में चली जाती है और गियरबाक्स खराब होने का मैसेज दिखाने लगती है। इसके बाद गाड़ी धीरे-धीरे रुक जाती है और कार की बाहरी लाइटें, एसी और सेंट्रल डिस्प्ले भी बंद हो जाते हैं। अंधेरे में या तेज रफ्तार हाईवे पर कार की लाइटें और इंजन का अचानक बंद हो जाना किसी बड़े हादसे को दावत देने जैसा है। अमेरिका की नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) ने जानकारी दी है कि इस रिकाल से कुल 1,70,169 एसयूवी गाड़ियां प्रभावित हुई हैं।

इसमें रेंज रोवर इवोक, रेंज रोवर स्पोर्ट, वेलार, डिफेंडर और डिस्कवरी जैसे लोकप्रिय माडल शामिल हैं जो साल 2019 से 2024 के बीच बने हैं।

ग्राहकों के लिए एमपीवी सेगमेंट बना हुआ है पसंदीदा विकल्प

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहकों के लिए मल्टी पर्पस व्हीकल (एमपीवी) सेगमेंट पसंदीदा विकल्प बना हुआ है। इतना ही नहीं, साल 2026 तक भी इसका क्रेज बरकरार है। आने वाले कुछ महीनों में यह सेगमेंट और भी रोमांचक होने जा रहा है, क्योंकि मारुति, टोयोटा और किआ जैसे बड़े ब्रांड अपनी नई गाड़ियां उतारने की तैयारी में हैं। इनमें मिलने वाला भरपूर स्पेस और आरामदायक सफर किसी और सेगमेंट में मिलना मुश्किल है। इन नई पेशकशों में पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ अब हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन का विकल्प भी देखने को मिलेगा। इनमें सबसे पहले, भारत की चहेती मारुति सुजुकी अर्टिगा का फेसलिफ्ट माडल आने वाला है, जिसमें कास्मेटिक बदलाव और बेहतर केबिन फीचर्स के साथ नया अंडरबाडी सीएनजी टैंक मिलेगा, जिससे बूट स्पेस की समस्या खत्म होगी। टोयोटा भी अर्टिगा पर आधारित अपनी रुमियन का फेसलिफ्ट वर्जन लान्च करेगी, जिसमें टोयोटा की सिग्नेचर ग्रिल और अलग अलाय व्हील्स होंगे। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी बड़ा कदम उठाते हुए, मारुति अपनी पहली इलेक्ट्रिक एमपीवी वायएमसी लाएगी, जिसे स्केटबोर्ड प्लेटफार्म पर बनाया गया है, जिससे सपाट फर्श और 450 किलोमीटर तक की रेंज मिलेगी। इसी प्लेटफार्म पर टोयोटा भी अपनी इलेक्ट्रिक एमपीवी उतारेगी, जो पाल्यूशन फ्री और लग्जरी सफर चाहने वालों के लिए एक बेहतरीन विकल्प होगा।

ऊर्जा सुरक्षा पर कार्यबल का जोर, पीएनजी विस्तार के लिए कई बड़े सुझाव

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित एक सरकारी कार्यबल ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) क्षेत्र में बड़े बदलाव और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के तेजी से विस्तार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कार्यबल ने जून 2026 तक 60 लाख नए पीएनजी कनेक्शन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। साथ ही इसने सभी नए और निर्माणाधीन भवनों में पीएनजी को अनिवार्य करने, इस पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम करने और जहां बुनियादी ढांचा मौजूद है, वहां वाणिज्यिक खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए भी पीएनजी का उपयोग अनिवार्य करने की सिफारिश की है। मौजूदा सड़क गलियारों के साथ भूमिगत सीजीडी पाइपलाइन क्रासिंग के लिए वन मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने का भी सुझाव दिया गया है।

ओपेक की पाबंदियां से परेशान यूएई गठबंधन से हुआ बाहर अब मनमुताबिक बेच सकता हैं तेल

अबूधाबी

वैश्विक ऊर्जा राजनीति में 1 मई 2026 एक महत्त्वपूर्ण मोड़ के रूप में उभर रहा है, क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओपेक और ओपेक प्लस गठबंधन से बाहर निकलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह कदम न केवल दशकों पुराने तेल सहयोग ढांचे को चुनौती देता है, बल्कि तब आया है जब वैश्विक तेल बाजार पहले से ही अस्थिर बना हुआ है। वर्तमान में तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

ब्रेंट क्रूड करीब 110 डालर प्रति बैरल के आसपास और डब्ल्यूटीआई क्रूड 99 डालर के करीब कारोबार कर रहा है। इस बढ़त के पीछे मुख्य कारण मध्य पूर्व, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव हैं, जहां से दुनिया के एक बड़े हिस्से का तेल परिवहन होता है। इसतरह माहौल में यूएई का ओपेक से बाहर निकलना बाजार की चिंताओं को और बढ़ा सकता है।

ओपेक की स्थापना 1960 में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने की थी। इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच तेल उत्पादन नीतियों का समन्वय करना और वैश्विक बाजार में कीमतों को स्थिर बनाए रखना है। समय के साथ इस संगठन में कई अन्य तेल उत्पादक देश शामिल हुए और बाद में ओपेक प्लस के रूप में रूस जैसे गैर-सदस्य देशों के साथ एक व्यापक गठबंधन बना, जिससे उत्पादन नियंत्रण और अधिक प्रभावी हो सके।

यूएई का इस गठबंधन से बाहर निकलना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ओपेक के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है और कुल उत्पादन में इसका योगदान लगभग 12 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि यह सिर्फ एक सदस्य का बाहर निकलना नहीं, बल्कि संगठन की सामूहिक ताकत में एक बड़ी कमी है। इससे ओपेक की उत्पादन नियंत्रण क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

ओपेक लंबे समय से उत्पादन कोटा प्रणाली पर निर्भर रहा है, जिसके तहत सदस्य देश तय सीमा से अधिक उत्पादन नहीं करते ताकि कीमतों को स्थिर रखा जा सके। लेकिन यूएई इस व्यवस्था से असंतुष्ट था। वह अपनी उत्पादन क्षमता को तेजी से बढ़ा रहा है और अपने ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश कर चुका है। वर्तमान में उसकी उत्पादन क्षमता लगभग 4.85 मिलियन बैरल प्रति दिन है, जिसे वह 2027 तक 5 मिलियन बैरल तक बढ़ाना चाहता है। इसके बाद ओपेक की पाबंदियां उसके विकास के रास्ते में बाधा बन रही थीं।

यूएई के ऊर्जा मंत्री सुहैल अल मजरूई के अनुसार, यह फैसला देश की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति और बाजार के मूलभूत सिद्धांतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया गया और इसमें अन्य सदस्य देशों, यहां तक कि सऊदी अरब से भी कोई परामर्श नहीं किया गया। यह बयान ओपेक के भीतर बढ़ते मतभेदों की ओर संकेत करता है। इस फैसले के संभावित प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। एक ओर, यूएई को अब उत्पादन बढ़ाने और बाजार में अधिक हिस्सेदारी हासिल करने की स्वतंत्रता मिलेगी। दूसरी ओर, ओपेक के लिए उत्पादन संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। यदि अन्य देश भी इसी तरह के कदम उठाते हैं, तब वैश्विक तेल बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

म्युचुअल फंड में बदला खेल, एग्जिट लोड घटाकर निवेशकों को साधने की होड़

नई दिल्ली

बढ़ती प्रतिस्पर्धा और निवेशकों के बदलते व्यवहार के बीच फंड हाउस फीस ढांचे को बना रहे आसान

म्युचुअल फंड उद्योग में प्रतिस्पर्धा अब केवल रिटर्न और लागत तक सीमित नहीं रही। निवेशकों को आकर्षित करने और उन्हें लंबे समय तक जोड़े रखने के लिए फंड हाउस अब एग्जिट लोड जैसे शुल्क ढांचे में बड़े बदलाव कर रहे हैं। म्युचुअल फंड कंपनियां निवेशकों के लिए अपने प्रोडक्ट को अधिक आकर्षक बनाने की दिशा में तेजी से कदम उठा रही हैं। हाल के महीनों में कई बड़े फंड हाउस ने अपनी योजनाओं में एग्जिट लोड को कम या पूरी तरह खत्म कर दिया है। उदाहरण के तौर पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने अप्रैल में अपनी पांच सक्रिय इक्विटी योजनाओं के लिए एग्जिट लोड की अवधि एक साल से घटाकर मात्र एक महीना कर दी। वहीं, व्हाइटओक कैपिटल म्युचुअल फंड ने अपनी सभी इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं से एग्जिट लोड पूरी तरह हटा दिया है।

इससे पहले टाटा म्युचुअल फंड और एसबीआई म्युचुअल फंड भी 2025 में अपनी कई योजनाओं में इसी तरह की कटौती कर चुके हैं। इसके अलावा, कुछ फंड हाउस ने खास योजनाओं, जैसे आर्बिट्राज फंडों, में भी एग्जिट लोड को तर्कसंगत बनाया है। एग्जिट लोड वह शुल्क होता है जो निवेशक को तय अवधि से पहले निवेश निकालने पर देना पड़ता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अब इसका महत्व पहले जैसा नहीं रह गया है।

क्रिसिल इंटेलिजेंस के अनुसार, निवेशकों में लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने का अनुशासन बढ़ा है, जिससे ऐसे शुल्कों की भूमिका कम हुई है।

कम कीमत में प्रीमियम अहसास कराती है ये 5 एसयूवी

नई दिल्ली । अत्यधिक प्रतिस्पर्धी आटोमोबाइल बाजार में कार के ग्राहकों को एंट्री-लेवल वैरिएंट्स में भी सनरूफ, बड़ी टचस्क्रीन और 6-एयरबैग्स जैसे हाई-एंड फीचर्स मिल रहे हैं। यह कहना है एक आटो एक्पर्ट का। आटो एक्सपर्ट के अनुसार, मैंने ऐसी 5 एसयूवी का परीक्षण किया है, जिनके बेस वैरिएंट भी शानदार फीचर्स से लैस हैं, और अगर मुझे खुद एक एसयूवी चुननी होती, तो मैं इन्हीं में से किसी एक को प्राथमिकता देता। सबसे पहले, हुंडई क्रेटा का बेस ई वैरिएंट अपनी कीमत के हिसाब से कई फीचर्स प्रदान करता है। इसमें सुरक्षा के लिए स्टैंडर्ड तौर पर 6-एयरबैग्स, सभी पहियों पर डिस्क ब्रेक और इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी) शामिल हैं। साथ ही, इसमें फोल्डेबल की और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स मिलते हैं जो आमतौर पर बेस माडल्स में दुर्लभ होते हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ ने अपने बेस वैरिएंट से सबको चौंका दिया है। मात्र 7.49 लाख रुपये की शुरुआती कीमत वाले एमएक्स1 वैरिएंट में फ्रंट आर्मरेस्ट, पीछे के यात्रियों के लिए एसी वेंट्स और इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी) जैसे फीचर्स हैं। इसके अलावा, एलईडी टेल लैंप्स और चारों पावर विंडोज इसे एक प्रीमियम अहसास देती हैं। टाटा नेक्सन का स्मार्ट वैरिएंट उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करना चाहते।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीन दिन तक कमजोरी का सामना करने के बाद शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सर्राफा बाजार में चांदी गिरावट का शिकार हो गया है। चेन्नई को छोड़ कर देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की जोरदार तेजी दर्ज की गई है। सोना के विपरीत चांदी शुरुआती कारोबार के दौरान 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,50,670 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,626.38 डालर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 74.31 डालर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,50,820 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,50,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एजीआर मामले में वोडा आइडिया को 23,649 करोड़ की बड़ी राहत, बकाया चुकाने की अवधि में भी मिली छूट

नई दिल्ली

देश की दिग्गज टेलीकाम कंपनी वोडा आइडिया को केंद्र सरकार की ओर से बड़ी राहत मिली है। केंद्र सरकार ने कंपनी को एडजेस्टेड ग्रास रिवेन्यू (एजीआर) बकाया के मामले में 23,000 करोड़ रुपये से अधिक की राहत दी है। इतना ही नहीं, सरकार ने बकाया को चुकाने की अवधि के मामले में भी कंपनी को बड़ी राहत दी है। कंपनी इस बकाया को 2032 से लेकर 2041 तक चुका सकती है। इसका मतलब कंपनी के लिए अगले कुछ वर्षों तक एकमुश्त बड़ी राशि इकट्ठा कर चुकाने की बाध्यता भी खत्म हो गई है।

वोडा आइडिया द्वारा एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई इस जानकारी के अनुसार टेलीकम्युनिकेशन डिपार्मेंट (डीओटी) ने दिसंबर 2025 तक के लिए कंपनी की एडजेस्टेड ग्रास रिवेन्यू बकाए की राशि 64,046 करोड़ रुपये निर्धारित कर दी है। इसके पहले के अनुमान में बकाए का आंकड़ा 87,695 करोड़ रुपये का था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर टेलीकम्युनिकेशन डिपार्मेंट द्वारा किए गए इस बदलाव से वोडा आइडिया को 23,649 करोड़ रुपये की राहत मिली है।

माना जा रहा है कि केंद्र सरकार से मिली इस राहत का असर कंपनी के शेयर की चाल पर भी सकारात्मक रूप से पड़ सकता है। महाराष्ट्र दिवस के मौके पर स्टाक मार्केट में छुट्टी है, लेकिन सोमवार को बाजार खुलने पर कंपनी के शेयर की चाल में तेजी आ सकती है। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को वोडा आइडिया के शेयर बीएसई पर 0.68 प्रतिशत लुढ़क कर 10.22 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे।

एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के अनुसार वोडा आइडिया को एजीआर बकाये को चुकाने की अवधि में राहत दी गई है। अब वोडा आइडिया से इस बकाये को तुरंत चुकाने की बाध्यता हटा दी गई है। टेलीकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट ने बकाये को चुकाने का जो प्लान दिया है, उसके अनुसार अब कंपनी को वित्त वर्ष 2031-32 से अगले चार साल तक हर साल बकाये की कम से कम 100 करोड़ रुपये की राशि चुकानी होगी। इसके बाद शेष बचे बकाये को वित्त वर्ष 2035-36 से वित्त वर्ष 2040-41 तक चुकाने के लिए समान राशि की छह वार्षिक किश्तों में बांट दिया जाएगा। मतलब पहले पांच साल तक तो कंपनी को बकाये के रूप में एक भी पैसा जुटाने की बाध्यता नहीं रहेगी, वहीं अगले पांच साल तक कंपनी के सामने न्यूनतम 100 करोड़ रुपये जुटाने की ही बाध्यता होगी। दस साल की राहत बाद ही वोडा आइडिया को बकाया चुकाने के लिए बड़ी राशि का इंतजाम करना पड़ेगा। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर टेलीकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट द्वारा एडजेस्टेड ग्रास रिवेन्यू (एजीआर) बकाये को चुकाने के लिए तैयार किए गए इस प्लान से पहले से ही वित्तीय परेशानियों का सामना कर रही वोडा आइडिया को बड़ी राहत मिली है। इस प्लान में बकाये की राशि तो लगभग 26 प्रतिशत कम हुई ही है, बकाया चुकाने के लिए कंपनी को लंबा समय भी मिल गया है। ऐसा होने से पहले ही भारी भरकम कर्ज के बोझ में डूबी वोडा आईडिया को आने वाले समय में कैश फ्लो को लेकर तुलनात्मक रूप से कम दबाव का सामना करना पड़ेगा।

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहेंगी चानू

नई दिल्ली

भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कंधे की चोट के चलते उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। चानू का मुख्य लक्ष्य इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। उनका यह रणनीतिक निर्णय सुनिश्चित करेगा कि वह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से फिट और तैयार रहें। भारोत्तोलन एक ऐसा खेल है जिसमें शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, और चानू जैसी शीर्ष स्तर की एथलीट के लिए चोट से बचाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई का मानना है कि उनकी शारीरिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता है। एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहकर, उन्हें अपनी चोट से पूरी तरह उबरने और आगामी मेगा-इवेंट्स के लिए अपनी शक्ति और तकनीक को निखारने का पर्याप्त समय मिलेगा। यह कदम उनके दीर्घकालिक करियर के लिए भी बुद्धिमानी भरा है, ताकि वह भविष्य में भी भारत के लिए पदक जीतती रहें। मीराबाई चानू का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल होंगे। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फार्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है। यह साल 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

बुमराह के बचाव में उतरे पोलार्ड

मुम्बई। मुंबई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और लगातार मिल रही हार से वह नौवे स्थान पर खिसक गयी है। मुम्बई की हार में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खराब प्रदर्शन भी एक प्रमुख कारण रहा है। बुमराह इस सत्र में असफल रहने के बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और उन्होंने 56 रन दे दिए। यह उनके टी20 करियर के सबसे महंगे स्पेल में से एक रहा, जिसके बाद से ही वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में टीम के बल्लेबाजी कोच कायरन पोलार्ड ने बुमराह का बचाव किया है। में पोलार्ड ने कहा कि हर खिलाड़ी अपने करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है और बुमराह भी कोई अलग नहीं हैं। उन्होंने कहा, बुमराह ने लगातार अविश्वसनीय प्रदर्शन किया है। एक खिलाड़ी के तौर पर वह अपने खराब दौर से गुजर रहे हैं जिसमें गलतियां होती हैं। हमें हमेशा उनके बेहतरीन योगदान को याद रखना चाहिए न कि केवल एक-दो खराब प्रदर्शन पर उन्हें आंकना चाहिए। पोलार्ड ने प्रशंसकों और आलोचकों से खिलाड़ियों के प्रति थोड़ा संयम बरतने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हर पल सार्वजनिक जांच के दायरे में रहते हैं, जिससे उनकी गलतियां सामान्य लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा नजर आती हैं।

क्लासेन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करे दक्षिण अफ्रीका : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद

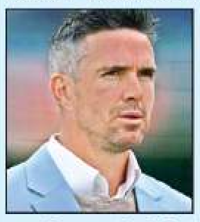

की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन ने कहा है कि जिस प्रकार से क्लासेन खेल रहे हैं। उसको देखते हुए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को उन्हें संन्यास से वापसी करने को कहना चाहिये। इसके साथ ही साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल करना चाहिये। पीटरसन इंग्लैंड टीम में शामिल होने से पहले दक्षिणा अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर रहे हैं। उनका मानना है जिस प्रकार की आक्रामक बल्लेबाजी क्लासेन करते हैं। उससे वह दक्षिण अफ्रीकी टीम को एकदिवसीय खिताब जिताने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। क्लासने ने जिस प्रकार से मुबई इडियंस के खिलाफ मुकाबले में केवल 30 गेंदों में नाबाद 65 रनों की आक्रामक पारी खेली उससे भी पीटरसन बेहद प्रभावित हैं। उनकी इस पारी में 7 शानदार चौके और 4 छक्के लगाये थे। क्लासेन इस सत्र में मध्यक्रम में सबसे आक्रामक बल्लेबाज बनकर सामने आये हैं। उन्होंने अब तक 9 पारियों में कुल 414 रन बनाए हैं, उनका औसत 59.14 जबकि स्ट्राइक रेट 157.41 का रहा है। पीटरसन ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने भी क्लासेन के प्रदर्शन की सराहतना की है। उन्होंने कहा कि मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए भी क्लासेन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के साथ रन और स्ट्राइक रेट में मुकाबला किया है। जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है।

विश्व टीम टेबल टेनिस : लंदन में भारतीय पुरुषों का दमदार पलटवार, स्लोवाकिया को दी पटखनी

लंदन। यूनाइटेड किंगडम के लंदन में आयोजित हो रही आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के

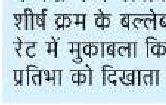

ग्रुप-7 के एक बेहद कड़े मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम ने जबरदस्त वापसी की है। बुधवार रात कापर बाक्स एरिना में खेले गए मैच में भारत ने स्लोवाकिया को 3-2 से पराजित कर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने नाकआउट दौर के लिए अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। मुकाबले की शुरुआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। दुनिया के 51वें नंबर के खिलाड़ी मानुष शाह को स्लोवाकिया के अनुभवी लुबोमिर पिस्टेज ने पाँच सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, भारत के स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर (रैंक 42) ने तुरंत मोर्चा संभाला और जैकब जेलिंका को सीधे सेटों में 11-6, 11-8, 11-6 से शिकस्त देकर स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे मैच में स्लोवाकिया के रक्षात्मक खिलाड़ी वांग यांग ने हरमीत देसाई को 16-14, 11-5, 11-9 से हराकर भारत को फिर मुश्किल में डाल दिया। जब भारतीय टीम 1-2 से पिछड़ रही थी, तब मानव ठक्कर ने फिर जादुई खेल दिखाया। उन्होंने लुबोमिर को एकतरफा मुकाबले में 11-3, 11-3, 11-3 से हराकर मैच को निर्णायक मोड़ पर पहुँचा दिया।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद संन्यास लेंगे मेक्सिको के दिग्गज गोलकीपर गिलर्मो ओचोआ

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के अनुभवी गोलकीपर गिलर्मो ओचोआ ने घोषणा की है कि वह फीफा विश्व कप 2026 के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह टूर्नामेंट उनके पेशेवर करियर का भी अंतिम पड़ाव हो सकता है।

विश्व कप के दौरान 41 वर्ष के होने वाले ओचोआ अब तक पांच विश्व कप खेल चुके हैं और छठे विश्व कप के लिए भी उनके चयन की संभावना जताई जा रही है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

साइप्रस क्लब एईएल लिमासोल के लिए खेल रहे ओचोआ ने एक साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रीय टीम से उनका विदाई लेना तय है और पूर्ण संन्यास भी संभव है।

ओचोआ ने कहा, संन्यास लेना निश्चित रूप से कठिन होता है, लेकिन मेरे मामले में यह इतना मुश्किल नहीं होगा, क्योंकि मैंने लंबे समय तक इस खेल का आनंद लिया है। एक समय आता है जब आपका मन और शरीर कहता है कि आपने अपना सर्वश्रेष्ठ दे दिया है, और फिर आप संतोष के साथ विदा लेते हैं—मेरे साथ भी ऐसा ही होगा।

ओचोआ उन चार मेक्सिकन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने पांच विश्व कप खेले हैं। इस सूची में एंटोनियो कार्बाजाल, राफेल मार्केज और आंद्रेस गुआर्डाडो भी शामिल हैं।

यदि वह 2026 विश्व कप में खेलते हैं, तो क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी की तरह छह विश्व कप खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं।

हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ओचोआ को युवा गोलकीपर राउल टाला रेंगल के बैकअप के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, मेक्सिको के कोच जेवियर एग्विरे ने टीम में विदेशी लीग में खेलने वाले एक गोलकीपर के लिए स्थान खाली रखा है, जिसमें ओचोआ प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में किया जाएगा।

फीफा विश्व कप 2026: ईरान की भागीदारी की पुष्टि, अमेरिका में ही खेलेगा अपने मैच

वैंकूवर। विश्व फुटबाल की नियामक संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया है कि ईरान फुटबाल टीम फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा लेगी और अपने मैच अमेरिका में ही खेलेगी। फीफा अध्यक्ष ने वैंकूवर में आयोजित वैश्विक फुटबाल महासंघ की कांग्रेस के दौरान यह घोषणा की। इन्फेंटिनो ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, मैं शुरुआत में ही यह पुष्टि करना चाहता हूं कि ईरान निश्चित रूप से फीफा विश्व कप 2026 में भाग लेगा और अपने मैच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेलेगा। 48 टीमों वाला बड़ा टूर्नामेंट फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में 11 जून से 19 जुलाई तक होगा। इस बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे टीमों और अधिकारियों को विभिन्न देशों के बीच लगातार यात्रा करनी होगी। ऐसे में वीजा और कूटनीतिक संबंधों को लेकर चुनौतियां सामने आ सकती हैं। ईरान ने लगातार चौथी बार किया क्वालीफाई ईरान ने एशियाई क्वालीफायर के तीसरे चरण में ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए जगह बनाई है। हालांकि, ईरान फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने अमेरिका और इजराइल के साथ तनावपूर्ण हालात को लेकर चिंता जताई है। ग्रुप-जी में कड़ी टक्कर ईरान को ग्रुप-जी में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम के मुकाबले अमेरिका के लास एंजेलिस और सिएटल में खेले जाएंगे। अगर अमेरिका और ईरान अपनी-अपनी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हैं, तो दोनों टीमें 3 जुलाई को डलास में होने वाले नाकआउट मुकाबले में आमने-सामने आ सकती हैं।वैकल्पिक स्थल की मांग खारिज ईरान ने अमेरिका में मैच खेलने के बजाय वैकल्पिक स्थल की मांग की थी, लेकिन फीफा ने इसे खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा।

रियान पराग के ई-सिगरेट विवाद से कोच संगकारा भी नाराज

मुम्बई

राजस्थान रायल्स की टीम के कप्तान रियान पराग की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) विवाद में फंसने के बाद जहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) ने उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। वहीं अब इस मामले में टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा भी नाराज हैं और पराग को छोड़ने के मुड में नजर नहीं आते। पराग को न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान सिगरेट पीते देखा गया था। जिसका बाद से ही वह आलोचना का केन्द्र बने हैं। वहीं संगकारा का मानना है कि इस तरह के विवाद न केवल टीम के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, बल्कि इससे ड्रेसिंग रूम का माहौल भी खराब होता है। संगकारा ने कहा है कि टीम के सभी खिलाड़ियों को अनुशासन बनाये रखना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले संगकारा ने कहा, इस तरह के विवाद टीम के लिए सही नहीं हैं। मैं बस इतना कह सकता हूं कि बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी दोनों ने इन मामले पर गंभीरता से बात की है। यह खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि उन्हें हर हाल में टीम के माहौल को बेहतर बनाए रखना होगा और आईपीएल की गरिमा का ध्यान रखना होगा। उनके इस बयान से साफ है कि फ्रेंचाइजी भी इस मामले पर गहरा विचार कर रही है और रियान पर आंतरिक कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि बीसीसीआई केवल रियान पराग पर कार्रवाई करके संतुष्ट नहीं है। बोर्ड अब राजस्थान रायल्स फ्रेंचाइजी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है।

रायल्स पर भी कार्रवाई कर सकती है बीसीसीसी

बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल जैसे बड़े मंच पर ऐसे आचरण से लीग की प्रतिष्ठा और मर्यादा को नुकसान पहुंचता है। इसे बनाए रखना सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई दोषी टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने पर विचार कर रहा है ताकि यह पक्का किया जा सके कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो और आईपीएल की वैश्विक छवि को कोई नुकसान न पहुंचे।

भुवनेश्वर ने टी20 में अपने 350 विकेट पूरे किये, पर्पल कैप पर भी कब्जा

अहमदाबाद। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लेने के साथ ही कई अहम रिकार्ड अपने नाम किये है। भुवनेश्वर ने इस मैच के दौरान टी20 प्रारुप में अपने 350 विकेट पूरे किए। इसी के साथ ही अब उनके नाम 352 विकेट हो गये हैं और ये आंकड़ा हासिल करने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने 325वें टी20 मैच में ये रिकार्ड बनाया। इस मैच के साथ ही उन्होंने सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप भी अपने नाम की है। इस सत्र में उनके 9 मैचों में कुल 17 विकेट हो चुके हैं। वहीं दूसरे नंबर पर खिसके सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा के अब तक 15 विकेट हैं। इसके अलावा भुवनेशवर ने इसी मैच में आईपीएल में अपने 200 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। वह भारत में खेलते हुए आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। यह रिकार्ड आईपीएल इतिहास मे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले युजवेंद्र चहल के नाम भी नही हैं। चहल ने भारत में 154 मैच खेलकर 186 बल्लेबाजों को आउट किया है।

मेलबर्न रेनेगेड्स को बड़ा झटका : कोच साइमन हेलमोट ने पांच साल बाद छोड़ा पद

मेलबर्न

मेलबर्न रेनेगेड्स के मुख्य कोच साइमन हेलमोट ने पांच साल के कार्यकाल के बाद क्लब छोड़ने का फैसला किया है। 54 वर्षीय हेलमोट अब नए अवसरों की तलाश करेंगे। हेलमोट ने 2021 में टीम की कमान संभाली थी और अपने पहले ही सीजन में टीम को उपविजेता बनाया।

हालांकि, उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के 10वें सत्र में टीम को पहला खिताब दिलाना रही। इस ऐतिहासिक जीत में कप्तान सोफी मोलिन्यू के साथ उनकी रणनीति ने अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में हेलमोट भारत में सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच के रूप में कार्य कर रहे हैं, जहां वह मुख्य कोच डेनियल विटोरी और कप्तान पैट कमिंस के साथ जुड़े हुए हैं।

हेलमोट का रेनेगेड्स से जुड़ाव बिग बैश लीग की शुरुआत से रहा है। वह पुरुष टीम के पहले कोच भी रहे और चार वर्षों तक इस भूमिका में रहे।

हेलमोट के कार्यकाल में टीम का प्रदर्शन

- डब्ल्यूबीबीएल 07: उपविजेता
- डब्ल्यूबीबीएल 08: 7वां स्थान
- डब्ल्यूबीबीएल 09: 8वां स्थान

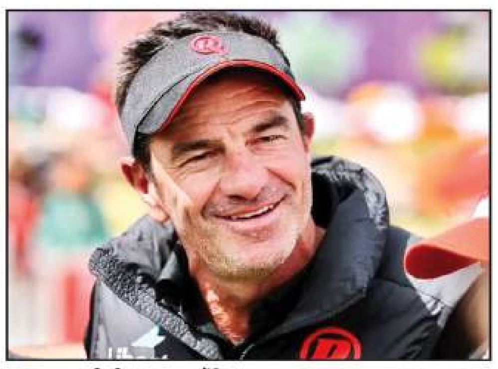

- डब्ल्यूबीबीएल 10: चैंपियन
- डब्ल्यूबीबीएल 11: 5वां स्थान

क्लब ने जताया आभार

रेनेगेड्स के महाप्रबंधक जेम्स रोसेनगार्टन ने कहा कि हेलमोट ने क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और मैदान के साथ-साथ टीम के माहौल पर भी गहरा प्रभाव छोड़ा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों, स्टाफ और प्रशंसकों के साथ उनका जुड़ाव हमेशा याद रखा जाएगा। हेलमोट के जाने के बाद बिग बैश लीग में कोच पदों की खाली जगहों की संख्या बढ़ गई है। इससे पहले सिडनी थंडर और सिडनी सिक्सर्स की पुरुष टीमों के मुख्य कोच पद भी खाली हैं।

आईपीएल 2026 में बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा

10 बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य हासिल किये गये

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में बल्लेबाज इस कदर हावी रहे हैं कि बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा है। इस बार टीमों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक रनों के स्कोर भी आसनी से हासिल लिए। इस सत्र में पिछले सारे रिकार्ड टूट गये हैं। ये किसी आईपीएल सत्र में पहली बार है जब 10 बार 200 से बड़े लक्ष्य हासिल किये गये हैं। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था। इस कारण अब पहली पारी में बनाए गए बड़े से बड़े स्कोर भी अब सुरक्षित नहीं माने जा रहे हैं। पिछला रिकार्ड आईपीएल 2025 में बना था, जब टीमों ने 9 बार 200 से अधिक के लक्ष्य हासिल किये थे। मौजूदा सीज़न का लगभग आधा हिस्सा अभी बाकी है, जिसका मतलब है कि यह आंकड़ा

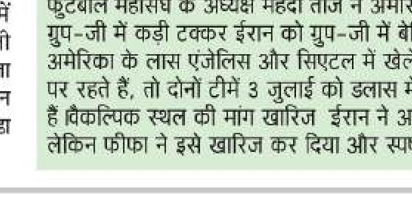

और भी बढ़ सकता है और रिकार्ड को और मजबूत कर सकता है। इस सत्र में ऐसे कई मुकाबले देखने को मिले हैं जिन्होंने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान किया है। मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच गत दिवस हुआ मैच ही लें इसमें मुम्बई की टीम 243 रन बनाने के बाद भी हार गयी। इसी प्रकार दिल्ली कैपिटल्स भी 264 रनों के स्कोर का बचाव नहीं कर पायी। इन मुकाबलों से साफ है कि अब टीमें कोई भी स्कोर हासिल कर सकती हैं। आईपीएल 2026 में 200 या उससे अधिक का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल करने वाली टीमों में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर 2 बार, मुंबई इंडियंस 1 बार, पंजाब किंग्स 3 बार, राजस्थान रायल्स 2 बार, और सनराइजर्स हैदराबाद 2 बार शामिल हैं। इन टीमों ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन से यह संभव कर दिखाया है। आईपीएल इतिहास में सबसे बड़े सफल लक्ष्य का पीछा करने का रिकार्ड पंजाब किंग्स ने अपने नाम किया है, जब उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल किया। दूसरे नंबर पर भी पंजाब किंग्स ही है, जिन्होंने आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रनों का पीछा किया था। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद का दबदबा है, जिन्होंने आईपीएल 2025 में पंजाब के खिलाफ 246 रनों का लक्ष्य, फिर आईपीएल 2026 में मुंबई के खिलाफ 244 रनों का लक्ष्य और इसी सीज़न में राजस्थान रायल्स के खिलाफ 229 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है।

आईपीएल में इस बार डिकाक सहित पांच बल्लेबाजों के शतक के बाद भी हारी टीम

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ये सत्र कई मायनों में पिछले सत्रों से अलग नजर आ रह है। इस बार किसी बल्लेबाज का शतक भी जीत की गारंटी नहीं माना जा रहा है क्योंकि पांच बार ऐसा हो गया है जब बल्लेबाज के शतक लगाने के बाद भी उसकी टीम हारी है। इस सत्र में अब तक 41 मैचों में 9 शतक लगे हैं। इसमें हैरान करने वाली बात ये रही है 5 बार ऐसा हुआ जब बल्लेबाज ने शतक लगाया पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस के दो सलामी बल्लेबाजों, क्विंटन डिकाक और रयान रिकल्टन, ने पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाए पर दोनो बार ही टीम को हार मिली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 152 रन बनाए पर इसके बाद भी पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम को हार मिली। गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने भी रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ,वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी। दूसरी ओर चार बल्लेबाजों के शतकों से उनकी टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने इस सीजन में दो शतक दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगाये और दोनों ही अवसरों पर सीएसके जीती है। मुंबई इडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

क्या करें जब आए नाक से खून

नाक से खून आने की समस्या गर्मियों में ज्यादा बढ़ जाती है। नाक के बीच की हड्डी के आगे के भाग में खून की कई नसें आपस में मिलकर एक जाल-सा बनाती हैं, जिसे लिटिल्स एरिया- कहते हैं। अधिकतर मरीजों में नाक से खून इसी जगह से ज्यादा आता है। सांस लेने में गर्म हवा जब इस भाग से टकराती है, तो वहां पर सूखापन आ जाता है और पपड़ी पडने लगती है। जैसे ही जब कोई व्यक्ति इस पपड़ी को नाक में उंगली डालने की आदत के कारण निकालता है, तब खून निकलने लगता है।

कुछ प्रमुख कारण

- बहुत गर्म वातावरण में रहना।
- हाई ब्लडप्रेशर में भी नाक से खून आता है।
- नाक में चोट लगना।
- नाक में कोई बाहरी चीज चली जाए।
- नाक में किसी तरह का संक्रमण होना,
- बैक्टीरिया या वाइरस का प्रकोप।

प्राथमिक उपचार

- मरीज को बैठाकर उसकी नाक के अगले हिस्से को कुछ मिनट के लिए दबाकर रखना चाहिए। दबाव पड़ने से खून रुक जाता है।
- नाक पर बर्फ रखें।
- जब खून निकल रहा हो, उस वक्त मरीज को लिटाना नहीं चाहिए। इससे खून गले से होकर पेट में जाने लगता है और मरीज को उल्टियां व पेट में दर्द हो सकता है। ज्यादातर मरीजों में प्राथमिक उपचार के बाद रक्त आना बंद हो जाता है। यदि खून आना बंद न हो या बार- बार आए, तो किसी नाक, कान व गला विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि खून आने की वजह का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा खून रोकने के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं।

ध्यान दें

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप से निकलकर सीधे एयर कंडीशन वाले कमरे में या फिर कूलर वाले कमरे में न जाएं। थोड़ी देर रुकने के बाद ही कमरे में प्रवेश करें।

ब्रेन ट्यूमर अब नहीं रहा लाइलाज

मस्तिष्क ट्यूमर (ब्रेन ट्यूमर) मस्तिष्क में या मस्तिष्क के किसी भाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि से संबंधित रोग है। ये असामान्य कोशिकाएं मस्तिष्क में एक गांठ के रूप में बन जाती हैं। ब्रेन ट्यूमर एक जानलेवा रोग है, लेकिन आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई प्रगति के कारण अब समय रहते इस रोग का इलाज संभव है.... ब्रेन ट्यूमर के कई प्रकार हैं। जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में ही उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। वहीं जो ट्यूमर शरीर के अन्य भागों से शुरू होकर मस्तिष्क तक भी फैल जाते हैं, उन्हें मेटास्टैटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, जिन्हें बिनाइन कहा जाता है और कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर ग्रस्त होते हैं, जिन्हें मैलिग्नेंट (घातक) कहा जाता है। अलग-अलग प्रकार के ब्रेन ट्यूमर की वृद्धि की रफ्तार अलग-अलग होती है। प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर अनेक तरह के होते हैं। जैसे...

ग्लीओमा

ये ट्यूमर मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी से शुरू होते हैं। एकास्टिक न्यूरोमा कैंसर रहित (बिनाइन) ट्यूमर हैं, जो शारीरिक संतुलन और सुनने की शक्ति को संचालित करने वाली तंत्रिका (नर्व)पर विकसित होते हैं।

पिट्यूटरी एडेनोमा

ये ज्यादातर बिनाइन ट्यूमर होते हैं और इनमें से ज्यादातर मस्तिष्क के आधार पर स्थित पिट्यूटरी ग्रंथि में विकसित होते हैं। ये पिट्यूटरी ग्रंथि के हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और इसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है।

मेडुलोब्लास्टोमा

ये बच्चों में होने वाले सबसे सामान्य किस्म के कैंसरजन्य मस्तिष्क ट्यूमर हैं। वयस्कों को ये ट्यूमर होते हैं।

जर्म सेल ट्यूमर

ऐसे ट्यूमर बचपन से ही विकसित होते हैं। ऐसे कैंसर मस्तिष्क के अलावा शरीर के अन्य भागों पर शुरू होते हैं, लेकिन बाद में मस्तिष्क को अपनी चपेट में ले लेते हैं। जोखिम वाले कारण उम्र- ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ती उम्र से संबंधित है। उम्रदराज लोगों में ब्रेन ट्यूमर अधिक होते हैं। हालांकि कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकते हैं।

विकिरण से संपर्क

कुछ प्रकार के विकिरण (रेडिएशन) के संपर्क में आने वाले लोगों में ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

पारिवारिक इतिहास

कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर ऐसे लोगों में होते हैं, जिनके परिवार में ब्रेन ट्यूमर या जेनेटिक बीमारियों का इतिहास रहा हो।

डायग्नोसिस

इसके अंतर्गत एमआरआई, कंप्यूटराइड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन और पेट स्कैन शामिल हैं। शरीर के अन्य भागों में कैंसर का पता लगाने के लिए भी परीक्षण कराए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर फेफड़े के कैंसर का पता लगाने के लिये सीने का सीटी स्कैन।
वहीं बायोप्सी परीक्षण भी कराया जाता है। सुई का इस्तेमाल करके भी बायोप्सी की जा सकती है। बायोप्सी से लिए गए नमूने का परीक्षण माइक्रोस्कोप के जरिए किया जाता है ताकि यह पता चल सके कि यह कैंसरजन्य है या कैंसररहित। यह जानकारी डायग्नोसिस और रोग के इलाज के लिये महत्वपूर्ण है।

इलाज

ब्रेन ट्यूमर का उपचार ट्यूमर के प्रकार, आकार और स्थान पर निर्भर करता है। जैसे... सर्जरी अगर ब्रेन ट्यूमर ऐसे स्थान पर है, जहां तक ऑपरेशन के लिए सुलभता से पहुंचा जा सकता है, तब न्यूरो सर्जन ब्रेन ट्यूमर के यथासंभव अधिक से अधिक हिस्से को हटाने की कोशिश करते हैं। ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए की जाने वाली सर्जरी के कुछ खतरे होते हैं।

विकिरण चिकित्सा

इस चिकित्सा में ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए एक्स- रे या प्रोट्रॉन जैसी उच्च ऊर्जा किरणों का इस्तेमाल किया जाता है। विकिरण चिकित्सा आपके शरीर से बाहर रखी एक मशीन (एक्सटर्नल बीम रेडिएशन) से दी जा सकती है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन आपके मस्तिष्क के सिर्फ उन क्षेत्रों पर फोकस करता है, जहां पर ट्यूमर स्थित है या इसे आपके पूरे मस्तिष्क पर फोकस किया जा सकता है।

रेडियो सर्जरी

इसके अंतर्गत स्टीरियोटैक्टिक रेडियो सर्जरी को अंजाम दिया जाता है। ब्रेन ट्यूमर के इलाज में विकिरण देने के लिए रेडियो सर्जरी में गामा नाइफ जैसी कई आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। रेडियो सर्जरी में आम तौर पर पीड़ित व्यक्ति उसी दिन घर जा सकता है।

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी के तहत ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट यह ट्रीटमेंट कैंसर कोशिकाओं के अंदर मौजूद विशिष्ट असामान्यताओं पर केंद्रित होता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट इन असामान्यताओं को रोककर सिर्फ कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं का ही इलाज करता है। कैंसरग्रस्त भाग के निकट के अन्य स्वस्थ भागों पर इसका प्रभाव नहीं

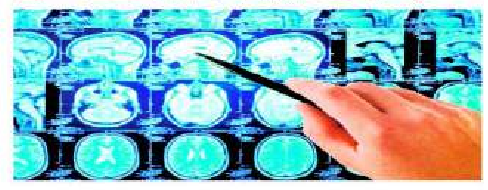

स्वस्थ रखता है केला

केला खाने में स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। इसमें विभिन्न प्रकार के विटामिन्स, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें थाइमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और फॉलिक एसिड पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। एक शोध से पता चला है कि केला खाने से स्वास्थ्य सही रहता है। साथ यह सुंदरता भी बढ़ाता है। केला खाने से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि मासिक धर्म के समय होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। शुगर और फाइबर से भरपूर होने के साथ ही केला कई बीमारियों से बचाता है। इसके कुछ प्रमुख फायदे इस प्रकार हैं। केला ऊर्जा का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह एक ऐसा फल है जिसको खाने पर तुरंत एनर्जी मिलती है। यह तनाव कम करने में भी मददगार है। इसमें ट्राइप्टोफान नामक एमिनो एसिड होता है जिससे मूड सही होता है। पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे अनेक तत्वों के कारण यह डिप्रेशन जैसी कई बीमारियों को दूर रखने में कारगर है। दिल के मरीजों के लिए भी केला बहुत फायदेमंद होता है। पोटेशियम से भरपूर इस फल में नमक की मात्रा कम होती है जिसके कारण यह उच्च रक्तचाप में फायदेमंद साबित होता है। यदि आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है तो केले का सेवन करना शुरू कर दें। केला याददाश्त बढ़ाने में काफी सहायक होता है।

आज के समय प्रदुषण इतना बढ़ गया है कि लोगों को त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पढ़ता है। सब लोग चाहते हैं कि उनकी त्वचा देखने में अच्छी और अट्रैकटिव दिखाई दे। कई वजह से आपको चेहरे पर भारीपन लगता है। लोग चाहते हैं कि त्वचा पर कुछ ऐसा लगाएं जिससे उनकी स्कीन में फेशनेस लगे। सभी लड़कियां यही चाहती है कि उनके पास कुछ ऐसा हो जिससे उनको आराम मिले और उनका चेहरा चमक उठें। आज हम आपको यह बताएंगे कि कैसे आप अपनी स्कीन को फैश कर सकते हैं। ये सभी चीजें प्राकृतिक होंगी, जो आपको आपके घर में आसानी से मिल जाएंगी। इन चीजों का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा को फ्रेश कर सकते हैं।

बनाएं अपनी त्वचा को फ्रेश

बर्फ का पानी: फ्रीजर में से चिल्ड वॉटर निकालकर उससे चेहरा धो लें। इससे आपको फ्रेशनेश आवश्य मिलेगी। यह सबसे सस्ता स्कीन टोनर है, जो आपकी त्वचा को मिनट भर में ही फ्रेश कर देता है।

दूध: फ्रिज में रखे हुए दूध को निकालकर उससे चेहरे को धो लें या कॉटन बॉल में लगाकर चेहरे को साफ कर लें। इससे चेहरे के छिद्र खुलने के साथ साथ आपके चेहरे पर प्राकृतिक चमक आ जाएगी।

गुलाब जल: गुलाब जल बहुत सस्ता होता है और घरों में आसानी से मिल जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं जो चेहरे पर पिपंल नहीं होने देते । गुलाब जल से स्कीन को कोई नुकसान नहीं होता।

ग्रीन टी: ग्रीन टी के तत्व चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ग्रीन टी को पानी के साथ मिलाकर चेहरा धोने से आपको अच्छा महसूस होगा। इससे चेहरे में चमक आ जाएगी।

एलोवेरा जूस: चेहरे के लिए एलोवेरा के पत्तों का गूदा बहुत फायदेमंद होता है। इसके पत्तों का रस भी चेहरे के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसको चेहरे पर लगाने से चेहरा साफ तो होता ही है, दमकने भी लगता है। प्रतिदिन सोने से पहले इसको चेहरे पर लगाने से आपका चेहरा शाइन करने लगेगा।

अब मिलेगा गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा

गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं। विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त। इससे उनका आत्मविश्वास घट जाता है। इस प्रकार उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इलाज

गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और कुछ विधियों के द्वारा अतिरिक्त चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट किया जाता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निपल के एरिया के निचले हिस्से में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला को भीतर डाला जाता है। कितनी चर्बी निकालनी है, इस आधार पर सर्जरी में एक से दो घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थेसिया देकर सर्जरी करने पर रोगी को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

नवीनतम इलाज

मिनिमली इनवेसिव सर्जरी एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान शेष नहीं रहता। इस सर्जरी के बाद तेजी से रोगी स्वास्थ्य लाभ करता है और कम से कम निशान दिखाई पड़ते हैं। रोगी को सर्जरी वाले स्थान पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन जैसा अनुभव होगा, किंतु यह सब कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है। रोगी को कुछ दिनों के लिए काम से छुट्टी लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है। इस समस्या से परेशान पुरुषों को इस सर्जरी के बाद बहुत संतुष्टि और खुशी प्राप्त होती है और वे अपने शरीर के संदर्भ में पहले से कहीं ज्यादा सहज व स्वाभाविक महसूस करते हैं।

समोसे को बोलें बाय सलाद को कहें हाय

जब भी हम तनाव में होते हैं या कुछ खाए काफी देर हो जाती है तो तेज भूख लगती है। पहली इच्छा कुछ सेहतमंद चीज खाने की जगह एक्स्ट्रा चीज वाले पिज्जा, समोसा या फिर क्रीमयुक्त पेस्ट्री खाने की होती है। बहुत कम ही लोग होते है, जिसने तनाव की स्थिति में खाने की इच्छा होने पर उसने सलाद या फल खाना चाहा हो।

ऑफिस में लेट हो जाएं

ऐसी स्थिति में लो फेट दूध से बनी कोल्ड कॉफी और गेहूं से बना सैंडविच खाएं। इसमें सोया और चीज फिलिंग कर सकते हैं। तनाव की स्थिति में सेरोटोनिन रसायन कम हो जाता है। दूध में प्रोटीन होता है। सैंडविच से आपको प्रोटीन और कॉम्प्लैक्स काबरेहाइड्रेट दोनों मिल जाते हैं, जिससे आप एलर्ट रहते हैं। पर, ध्यान रहे, अधिक कॉफी तनाव बढ़ा भी सकती है।

नींद नहीं आती हो

दलिया और केला खाएं। तनाव नींद बढ़ाने वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन से कम हो जाता है।
मेलाटोनिन जई, मक्का, ब्राउन राइस, अदरक, पका टमाटर, सोया और खजूर आदि में होता है। दलिया, दूध के साथ खाएं। इससे कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर दोनों मिलते हैं। यह मस्तिष्क पर असर करता है, आप अच्छी नींद ले पाते हैं। केले में मेलाटोनिन और मैग्नीशियम दोनों होते हैं। मैग्नीशियम प्राकृतिक तरीके से मांसपेशियों को राहत पहुंचाता है। रात को सहज नींद आ जाती है।

इंटरव्यू के दौरान

ग्रीन सलाद खाएं। शाकाहारी हैं तो इसमें सोयाबीन, अलसी के बीज और अखरोट की गिरी मिला सकते हैं। मांसाहारी ग्रिल्ड चिकन या सैलमन मछली ले सकते हैं। ग्रीन सलाद विटामिन बी-12 का अच्छा स्रोत है। इससे मूड अच्छा करने वाले सेरोटोनिन और डोपामाइन रसायन मिलते हैं, जिसकी कमी से थकावट और झुंझलाहट होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)